Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

## मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC)

# मध्य प्रदेश

## ( राज्य विशेष )

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

Code: MPPM07

## मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC)

# मध्य प्रदेश
# (राज्य विशेष)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष : 011-47532596, 87501 87501
टोल फ्री : **1800-121-6260**
**Web :** www.drishtiIAS.com
**E-mail :** online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

MPPCS DLP

# विषय सूची (Contents)


**1. मध्य प्रदेश : सामान्य परिचय** **7–14**

**2. मध्य प्रदेश : ऐतिहासिक परिदृश्य** **15–27**

**3. मध्य प्रदेश : भौगोलिक संरचना** **28–34**

**3.1** स्थिति एवं विस्तार 28

**3.2** भौतिक संरचना 29

**3.3** भौतिक स्वरूप 30

**3.4** मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्वत 33

**4. मध्य प्रदेश : जलवायु एवं मिट्टियाँ** **35–41**

**4.1** जलवायु क्षेत्र 35

**4.2** मिट्टियाँ 37

**5. मध्य प्रदेश : अपवाह तंत्र एवं सिंचाई** **42–50**

**5.1** मध्य प्रदेश में प्रवाहित होने वाली नदियाँ 42

**5.2** सिंचाई 44

**5.3** बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएँ 45

**6. मध्य प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन** **51–58**

**6.1** राज्य की प्रमुख फसलें 51

**6.2** पशुपालन 56

**7. मध्य प्रदेश : वन तथा वन्यजीव अभयारण्य** **59–67**

**7.1** वनों का भौगोलिक क्षेत्र 59

**7.2** वनों का भौगोलिक वर्गीकरण 60

**7.3** वन संपदा 61

**7.4** मध्य प्रदेश राज्य वन नीति, 2005 63

**7.5** वन्यजीव अभयारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान 63

| | | |
|---|---|---|
| **8.** | **मध्य प्रदेश : खनिज संसाधन** | **68–75** |
| | **8.1** प्रदेश में खनिज वितरण | 68 |
| **9.** | **मध्य प्रदेश : औद्योगीकरण एवं नियोजन** | **76–85** |
| | **9.1** उद्योग संवर्द्धन नीति, 2014 | 77 |
| | **9.2** मध्य प्रदेश के प्रमुख उद्योग | 78 |
| **10.** | **मध्य प्रदेश : ऊर्जा संसाधन** | **86–91** |
| | **10.1** ऊर्जा | 86 |
| | **10.2** संस्थागत सुधार | 89 |
| **11.** | **मध्य प्रदेश : परिवहन एवं संचार** | **92–99** |
| | **11.1** परिवहन | 92 |
| | **11.2** संचार व्यवस्था | 96 |
| **12.** | **मध्य प्रदेश : जनगणना-2011** | **100–107** |
| **13.** | **मध्य प्रदेश : राजव्यवस्था व प्रशासन** | **108–122** |
| | **13.1** राज्य प्रशासन | 109 |
| | **13.2** मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2013: एक नज़र में | 112 |
| | **13.3** राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था | 117 |
| **14.** | **मध्य प्रदेश : पंचायती राजव्यवस्था** | **123–127** |
| | **14.1** मध्य प्रदेश में स्थानीय स्वशासन | 123 |
| | **14.2** मध्य प्रदेश में नगरीय प्रशासन | 125 |
| **15.** | **मध्य प्रदेश : शिक्षा एवं स्वास्थ्य** | **128–137** |
| | **15.1** शिक्षा | 128 |
| | **15.2** स्वास्थ्य | 133 |
| **16.** | **मध्य प्रदेश : पर्यटन** | **138–148** |
| | **16.1** मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल | 138 |
| | **16.2** मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम | 143 |

**17. मध्य प्रदेश : कला एवं संस्कृति** **149–169**

**17.1** लोकगीत 149

**17.2** लोक नृत्य 152

**17.3** लोक नाट्य 155

**17.4** लोक चित्रकला 157

**18. मध्य प्रदेश : जनजातियाँ एवं उनकी संस्कृति** **170–182**

**19. मध्य प्रदेश : पंचवर्षीय योजनाएँ एवं बजट** **183–197**

**19.1** पंचवर्षीय योजनाएँ 183

**19.2** मध्य प्रदेश बजट, 2018–19 187

**20. मध्य प्रदेश : पुरस्कार एवं सम्मान** **198–206**

**20.1** राष्ट्रीय सम्मान 198

**20.2** राज्य स्तरीय शिखर सम्मान 199

**20.3** जनजातीय सम्मान 200

**20.4** खेल पुरस्कार 202

**21. मध्य प्रदेश : संचालित योजनाएँ** **207–215**

**22. मध्य प्रदेश : प्रसिद्ध व्यक्तित्व** **216–220**

**23. मध्य प्रदेश : समसामयिकी** **221–225**

**24. मध्य प्रदेश : विविध** **226–231**

मध्य प्रदेश
मानचित्र
उत्तर प्रदेश
राजस्थान
गुजरात
महाराष्ट्र
छत्तीसगढ़
मुरैना
भिंड
ग्वालियर
दतिया
श्योपुर
शिवपुरी
गुना
अशोकनगर
टीकमगढ़
छतरपुर
पन्ना
सतना
रीवा
सीधी
सिंगरौली
नीमच
मंदसौर
आगर मालवा
राजगढ़
विदिशा
सागर
दमोह
कटनी
मुरवारा
शहडोल
उमरिया
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
भोपाल
रायसेन
सीहोर
जबलपुर
अनूपपुर
झाबुआ
धार
इंदौर
देवास
नरसिंहपुर
मंडला
डिंडोरी
अलीराजपुर
खरगोन (पश्चिम निमाड़)
खंडवा (पूर्व निमाड़)
हरदा
होशंगाबाद
छिंदवाड़ा
सिवनी
बालाघाट
बड़वानी
बैतूल
बुरहानपुर
संकेत
राज्य सीमा
जिला सीमा
राज्य मुख्यालय
जिला मुख्यालय

अध्याय
1

# मध्य प्रदेश : सामान्य परिचय
# (Madhya Pradesh : General Introduction)

- राज्य का नाम- **मध्य प्रदेश**
- राज्य का अन्य नाम- **हृदय प्रदेश, सोया प्रदेश**
- राज्य की भौगोलिक स्थिति-**21° 04' से 26° 49' उत्तरी अक्षांश एवं 74°1' से 82° 48' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है।**
- राज्य का क्षेत्रफल- **3,08,252 वर्ग किमी.**
- उत्तर से दक्षिण की लंबाई- **605 किमी.**
- पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई- **870 किमी.**
- राज्य की सीमा से लगे राज्य- **5, [ उ.प्र. ( उत्तर-पूर्व ), महाराष्ट्र ( दक्षिण-पश्चिम ), छत्तीसगढ़ ( दक्षिण-पूर्व ), राजस्थान ( उत्तर-पश्चिम ) एवं गुजरात ( पश्चिम ) ]**
- राज्य की अधिकतम सीमा से मिलने वाला राज्य-**उत्तर प्रदेश**
- राज्य की न्यूनतम सीमा से मिलने वाला राज्य- **गुजरात**
- राज्य के मध्य से गुज़रने वाली रेखा- **कर्क रेखा ( 14 ज़िलों ) से गुजरती है।**
- भारत के कुल क्षेत्र में मध्य प्रदेश का प्रतिशत-**9.38%**
- राजकीय चिह्न- **24 स्तूप आकृति के अंदर एक वृत्त, जिसमें गेहूँ और धान की बालियाँ हैं।**
- राजकीय पुष्प- **पलाश**
- राजकीय वृक्ष- **बरगद ( वट वृक्ष )**
- राजकीय पशु- **बारहसिंगा**
- राजकीय पक्षी- **दूधराज ( एशियन पैराडाइज़ फ्लाई कैचर ) इसे शाहे बुल-बुल के नाम से भी जाना जाता है।**
- राजकीय नदी- **नर्मदा**
- राजकीय नाट्य- **माच**
- राजकीय नृत्य- **राई**
- राजकीय गान- **मेरा मध्य प्रदेश है। ( महेश श्रीवास्तव द्वारा लिखित )**
- राजकीय खेल- **मलखंब**
- राजकीय मछली- **महाशीर**
- राजकीय फसल- **सोयाबीन**
- राजकीय भाषा- **हिन्दी**
- राज्य का स्थापना वर्ष- **1 नवंबर, 1956 ( वर्तमान स्वरूप- 1 नवंबर, 2000 )**
- राज्य की विधायिका- **एक सदनीय**
- विधानसभा सदस्यों की संख्या- **231 [230 + (1) एंग्लो-इंडियन सदस्य]**
- विधानसभा में अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित सीटों की संख्या- **35**
- विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित सीटों की संख्या- **47**
- लोकसभा में सदस्यों की संख्या- **29**
- राज्यसभा हेतु सीटें- **11**
- अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित लोकसभा क्षेत्र- **4**
- अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित लोकसभा क्षेत्र- **6**
- ज़िलों की संख्या- **52**
- संभागों की संख्या- **10**
- विकासखंड- **313**
- तहसील- **367**
- नगर/शहर- **476**
- नगर निगम- **16**
- नगरपालिका- **98**
- नगर पंचायत (परिषद)- **264**
- ज़िला पंचायत- **51**
- ग्राम पंचायत- **23,006**
- आदिवासी विकासखंड- **89**
- राज्य का उच्च न्यायालय- **जबलपुर**
- उच्च न्यायालय की खंडपीठ- **इंदौर, ग्वालियर**
- राज्य की कुल जनसंख्या- **7, 26, 26, 809**
  - पुरुष जनसंख्या- **3, 76, 12, 306**
  - महिला जनसंख्या- **3, 50, 14, 503**
- ग्रामीण जनसंख्या- **5, 25, 57, 404**
  - ग्रामीण पुरुष- **2, 71, 49, 388**
  - ग्रामीण महिला- **2, 54, 08, 016**
- शहरी जनसंख्या- **200, 69, 405**
  - शहरी पुरुष- **1, 04, 62, 918**
  - शहरी महिला- **96, 06, 487**

## प्रदेश की भौगोलिक एवं अन्य विशेषताएँ

- राज्य का सबसे ऊँचा स्थान- **धूपगढ़ पहाड़ी**
- राज्य का सबसे नीचा स्थान- **नर्मदा घाटी**
- सर्वाधिक गर्म स्थान- **खजुराहो**
- सबसे ठंडा स्थान- **शिवपुरी**
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान- **कान्हा किसली**

| | | |
|---|---|---|
| **(8) चंबल** | **(i) श्योपुर** | मुरैना ज़िले को विभाजित कर श्योपुर ज़िले का गठन किया गया। यह ज़िला चंबल नदी के तट पर स्थित है। यहाँ स्थित पालनपुर कूनो वन्यजीव अभयारण्य में एशियाई शेरों का संरक्षण किया जा रहा है। यह ज़िला काष्ठ कला के लिये प्रसिद्ध है। इस ज़िले से चंबल, कूनो और सीप नदियाँ प्रवाहित होती हैं। |
| | **(ii) मुरैना** | मोर पक्षी की अधिकता के कारण इस ज़िले का नाम मुरैना पड़ा। चंबल नदी के किनारे चंबल घड़ियाल अभयारण्य स्थापित है। यहाँ नागा जी का मेला लगता है। चंबल, कुंवारी, संक तथा असन नदियाँ इस ज़िले में प्रवाहित होती हैं। |
| | **(iii) भिंड** | भिंड ज़िले को 'बागियों का गढ़' कहा जाता है। भिंड ज़िले के मालनपुर में औद्योगिक विकास केंद्र स्थापित है। |
| **(9) रीवा** | **(i) रीवा** | रीवा ज़िले को 'सफेद शेर की भूमि' कहा जाता है। रीवा में कृषि महाविद्यालय, एस.एस. चिकित्सा महाविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, सैनिक स्कूल अवस्थित हैं। यहाँ प्रतिवर्ष महामृत्युजंय का मेला लगता है। रीवा ज़िले में टोंस, बीहड़, केवटी और बहुटी (बाहुती) नदियाँ प्रवाहित होती हैं। बाहुती जलप्रपात इसी ज़िले में अवस्थित है। गोविंदगढ़ में आम अनुसंधान केंद्र स्थित है। |
| | **(ii) सिंगरौली** | सीधी ज़िले को विभाजित कर 24 मई, 2008 को सिंगरौली ज़िले का गठन किया गया। यह ज़िला कोयला उत्पादन के लिये विख्यात है। यहाँ एनटीपीसी ताप विद्युत केंद्र स्थापित है। |
| | **(iii) सीधी** | यहाँ संजय टाइगर रिज़र्व पार्क है। यहाँ सोन नदी प्रवाहित होती है, जिसे यहाँ की जीवन रेखा कहते हैं। |
| | **(iv) सतना** | यह ज़िला चूना व सीमेंट उद्योग के लिये प्रसिद्ध है। चित्रकूट धाम तथा मैहर यहाँ के दर्शनीय स्थल हैं। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय इसी ज़िले में है। इस ज़िले में अशोक के स्तूप (भरहुत) की खोज की गई है। |
| **(10) होशंगाबाद/ नर्मदापुरम** | **(i) होशंगाबाद** | यह ज़िला नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। इसकी स्थापना मालवा शासक होशंगशाह ने की थी। यह ज़िला सागौन के वनों के लिये प्रसिद्ध है। इसी ज़िले में माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म हुआ था। म.प्र. का प्रमुख हिल स्टेशन पंचमढ़ी इसी ज़िले में स्थित है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, बोरी अभयारण्य, तवा जलाशय यहाँ के दर्शनीय स्थल हैं। |
| | **(ii) बैतूल** | यह आदिवासी बाहुल्य ज़िला है। यह ज़िला खनिज संसाधनों से भी संपन्न है। यहाँ कोयला, ग्रेफाइट, डोलोमाइट, संगमरमर तथा टिन जैसा खनिज पाया जाता है। ताप्ती नदी का उद्गम इसी ज़िले के मुल्ताई (मुलताई) नामक स्थान से होता है। यहाँ के दर्शनीय स्थलों में जैन तीर्थ स्थल मुक्तागिरि प्रसिद्ध है। |
| | **(iii) हरदा** | 6 जुलाई, 1998 को होशंगाबाद ज़िले को विभाजित कर इस ज़िले का गठन किया गया। यहाँ कान्हा बाबा का प्रसिद्ध मेला लगता है। |

## परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण तथ्य

- मध्य प्रदेश में वर्तमान में ज़िलों की संख्या 52 है।
- 1 अक्टूबर, 2018 को टीकमगढ़ ज़िला से निवाड़ी तहसील को अलग कर निवाड़ी को 52वें ज़िले के रूप में दर्जा दिया गया है।

- मध्य प्रदेश में झाबुआ ज़िला गुजरात और राजस्थान राज्य की सीमाओं को स्पर्श करता है। झाबुआ ज़िला में जनजातीय जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत है।
- मध्य प्रदेश में कर्क रेखा 14 ज़िलों से होकर गुज़रती है।
- लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 1957 में ग्वालियर में हुई।
- वर्तमान में मध्य प्रदेश में नगरपालिकाओं की संख्या 100 है।
- मध्य प्रदेश की राजकीय फसल सोयाबीन है।
- मध्य प्रदेश में स्थित नेपानगर का संबंध अखबारी कागज़ से है।
- अलीराजपुर ज़िला में भीलों द्वारा प्रसिद्ध भगोरिया मेले का आयोजन किया जाता है।
- भारत के कुल क्षेत्रफल में मध्य प्रदेश का प्रतिशत 9.38% है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मध्य प्रदेश के राज्य पक्षी का नाम है
**M.P.P.C.S. (Pre) 2018**
(a) मोर
(b) मुरहेन
(c) शाही बुलबुल (पैराडाइस फ्लाइकैचर)
(d) तोता

2. मध्य प्रदेश का कौन-सा ज़िला गुजरात और राजस्थान राज्यों की सीमाओं को छूता है?
**M.P.P.C.S. (Pre) 2018**
(a) झाबुआ (b) अलीराजपुर
(c) रतलाम (d) मंदसौर

3. नेपानगर का संबंध किस उद्योग से है?
**M.P.P.C.S. (Pre) 2018**
(a) खाद
(b) अखबारी कागज़
(c) चीनी
(d) ऊनी वस्त्र

4. 2011 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या वाला ज़िला है– **M.P.P.C.S. (Pre) 2016**
(a) जबलपुर (b) सागर
(c) इंदौर (d) भोपाल

5. मध्य प्रदेश में करेंसी प्रिंटिंग प्रेस कहाँ है?
**M.P.P.C.S. (Pre) 2015**
(a) देवास (b) नीमच
(c) होशंगाबाद (d) गुना

6. जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश में सर्वाधिक स्त्री-पुरुष अनुपात वाला ज़िला हैं।
**M.P.P.C.S. (Pre) 2014**
(a) झाबुआ (b) डिंडोरी
(c) मंडला (d) बालाघाट

7. मध्य प्रदेश राज्य का गठन हुआ था–
**M.P.P.C.S. (Pre) 2014**
(a) 1 नवंबर, 1959 (b) 1 सितंबर, 1956
(c) 1 नवंबर, 1956 (d) 1 सितंबर, 1951

### उत्तरमाला

1. (c) 2. (a) 3. (b) 4. (c) 5. (a) 6. (d) 7. (c)

अध्याय 2

# मध्य प्रदेश : ऐतिहासिक परिदृश्य (Madhya Pradesh : Historical Landscape)

मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक स्थलों पर उत्खनन व शोध के उपरांत प्राप्त हुए उपकरणों की बनावट के आधार पर प्रागैतिहासिक काल को निम्नानुसार बाँटा जा सकता है–

## पुरापाषाण काल ( 2.5 लाख से 10,000 ई. पूर्व )

(अ) **नर्मदा घाटी सर्वेक्षणः–** नर्मदा घाटी में एच.डी. सांकलिया, मैक क्राऊन, आर.बी. जोशी द्वारा सर्वेक्षण का कार्य किया गया। यहाँ के हथनोरा नामक स्थान से मानव की खोपड़ी के अवशेष प्राप्त हुए। महादेव पिपरिया से सुपेकर महोदय को 860 औज़ार मिले। इसी प्रकार भीमबेटका व बेतवा घाटी से भी औज़ारों की प्राप्ति हुई। सोन घाटी से निसार अहमद ने कई उपकरणों की खोज की।

| ताम्र-पाषाणकालीन स्थल |
|---|
| इस काल के प्रमुख स्थल महेश्वर नवदाटोली, कायथा-ऐरण से पत्थर और ब्लेड उपकरण के साथ ताम्र धातु के भी प्रयोग के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। ताम्र विधियों में सबसे महत्त्वपूर्ण विधि बालाघाट ज़िले में स्थित गंगेरियाल की है। |

(ब) **मध्य पूर्व पाषाण कालः–** सूपेकर महोदय द्वारा मंडला में सर्वेक्षण का कार्य किया गया। इस काल के साक्ष्य सोन घाटी, नाहरगढ़, मंदसौर, सीहोर, इंदौर, भीमबेटका से प्राप्त हुए हैं।

(स) **उच्च पूर्व पाषाण कालः–** इस काल के उपकरण भीमबेटका, रीवा, सोन घाटी क्षेत्र शहडोल से प्राप्त हुए हैं।

## मध्य पाषाण काल ( 10000 ई. पूर्व )

इस काल की सभ्यता के प्रमाणों का पता लगाने के लिये बी.बी. मिश्रा के द्वारा उत्खनन का कार्य संपन्न कराया गया। इनके द्वारा **भीमबेटका** से 'ब्लेड उपकरण' की खोज की गई।

## नव-पाषाण काल ( 5000 ई. पूर्व )

इस काल में स्थाई निवास और कृषि के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। मध्य प्रदेश में स्थित ऐरण, आदमगढ़, जतकारा, दमोह, सागर, जबलपुर आदि प्रमुख नव-पाषाणिक स्थल हैं। यहाँ से नव-पाषाणकालीन संस्कृति के प्रमाण मिले हैं।

## लौह युगीन संस्कृति ( 1000 ई. पूर्व )

लगभग 1000–950 ई. पू. में लोहे की खोज के बाद के काल को लौह युगीन संस्कृति या उत्तर वैदिक काल कहते हैं। मुरैना, भिंड और ग्वालियर क्षेत्र में लौहयुगीन संस्कृति के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। चित्रित धूसर-मृदभांड लौह युग की पहचान है।

## महापाषाण संस्कृति ( मेगालिथ )

दक्षिण भारत में विशाल पाषाण खंडों से निर्मित कुछ समाधियाँ प्राप्त होती हैं, जिन्हें महापाषाणीय स्मारक (मेगालिथ) कहा जाता है। जिस काल में इनका निर्माण हुआ, उसे 'महापाषाण काल' कहा जाता है। मध्य प्रदेश में ये स्मारक रीवा तथा सिवनी ज़िलों में पाए गए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग ज़िले में स्थित हथनोरा में एक ही स्थान पर लगभग 500 महापाषाणीय स्मारक मिले हैं।

## वैदिक युग ( 1500 ई.पू. – 600 ई.पूर्व )

इस काल का आदि ग्रंथ ऋग्वेद है। भारत में आर्यों का आगमन सर्वप्रथम 'पंचनद प्रदेश' में हुआ था। उत्तर-वैदिक काल की कुछ अनार्य जातियों के नाम ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथ में प्राप्त होते हैं, ये जातियाँ मध्य प्रदेश के अंतर्गत घने जंगलों में निवास करती थीं। इनमें निषादों का नाम विशेष तौर पर उल्लेखनीय है।

अध्याय
3

# मध्य प्रदेश : भौगोलिक संरचना (Madhya Pradesh : Geographical Structure)

मध्य प्रदेश पूर्णतः चारों ओर से स्थलों से घिरा हुआ है। प्रदेश की सीमा न तो किसी सागरीय सीमा को स्पर्श करती है और न ही किसी अंतर्राष्ट्रीय सीमा को। यह देश के मध्य में स्थित है, इसलिये इसे 'हृदय प्रदेश' भी कहा जाता है।

## 3.1 स्थिति एवं विस्तार *(Status and Expansion)*

- मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति 21° 04' उत्तरी अक्षांश से 26° 49' उत्तरी अक्षांश तथा 74° 1' से 82° 48' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है।
- मध्य प्रदेश की सीमा 5 राज्यों को स्पर्श करती है (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं गुजरात)। राज्य के उत्तर-पूर्व में उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पूर्व में छत्तीसगढ़, पश्चिम में गुजरात, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान तथा दक्षिण-पश्चिम में महाराष्ट्र स्थित है।
- राज्य का कुल क्षेत्रफल **3,08, 252 ( अन्य स्रोतों में 3,08,245 ) वर्ग किलोमीटर** है, जो देश के कुल क्षेत्रफल का 9.38% है। मध्य प्रदेश पूर्व से पश्चिम तक 870 किमी क्षेत्र में फैला हुआ है तथा उत्तर से दक्षिण तक 605 किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का राजस्थान के बाद दूसरा बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है।

**सीमावर्ती राज्यों से जुड़े ज़िले**

| सीमावर्ती राज्य | संख्या | ज़िला |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 13 | भिंड, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, दतिया, शिवपुरी, सागर, सिंगरौली, अशोकनगर, मुरैना |
| छत्तीसगढ़ | 6 | सीधी, शहडोल, डिंडोरी, बालाघाट, सिंगरौली, अनूपपुर |
| राजस्थान | 10 | मुरैना, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, श्योपुर, आगर मालवा |
| गुजरात | 2 | झाबुआ, अलीराजपुर |
| महाराष्ट्र | 9 | अलीराजपुर, बड़वानी, खरगौन, बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट |

**मध्य प्रदेश की सीमा से लगे राज्य और उनके ज़िले**

| सीमावर्ती राज्य | सीमावर्ती ज़िले |
|---|---|
| उत्तर प्रदेश (11 ज़िले) | फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, झाँसी, ललितपुर, बांदा, मिर्जापुर, इलाहाबाद, महोबा, सोनभद्र, चित्रकूट |
| राजस्थान (10 ज़िले) | प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, बारां, झालावाड़, सवाई-माधोपुर, कोटा, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, करौली |
| महाराष्ट्र (8 ज़िले) | धुले, नागपुर, अमरावती, भंडारा, बुल्ढाना, गोंदिया, नंदूरबार, जलगाँव |
| छत्तीसगढ़ (7 ज़िले) | राजनांदगाँव, कबीरधाम, बिलासपुर, मुंगेली, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर |
| गुजरात (2 ज़िले) | दाहोद, वड़ोदरा |

अध्याय
4

# मध्य प्रदेश : जलवायु एवं मिट्टियाँ (Madhya Pradesh : Climate and Soils)

मध्य प्रदेश की जलवायु मानसूनी प्रकार (उष्णकटिबंधीय) की है, जो भारतीय जलवायु का ही प्रतिरूप है। यहाँ की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों में समुद्र तट से दूरी, अक्षांशी स्थिति, औसत ऊँचाई, प्राकृतिक वनस्पति, धरातलीय स्वरूप, वायु दिशा आदि प्रमुख हैं। कर्क रेखा प्रदेश के मध्य से होकर गुज़रती है, जिस कारण प्रदेश में अपेक्षाकृत गर्मी अधिक होती है। "किसी क्षेत्र विशेष की दीर्घकालीन मौसमी दशाओं के सम्मिलित रूप को **जलवायु** कहते हैं।"

## 4.1 जलवायु क्षेत्र *(Climate Zone)*

मध्य प्रदेश भारत के मध्य में स्थित है, जिसके कारण यहाँ मानसूनी जलवायु की सभी विशेषताएँ पाई जाती हैं। यहाँ के जलवायु क्षेत्र को निम्नलिखित भागों में बाँटा गया है–

**जलवायु क्षेत्र**

- उत्तर का मैदानी क्षेत्र
- मालवा का पठार
- बघेलखंड का पठार
- विंध्य पर्वतीय क्षेत्र
- नर्मदा घाटी क्षेत्र

### उत्तर का मैदानी क्षेत्र *(Plain area of north)*

- इस क्षेत्र की जलवायु समुद्र से दूर स्थित होने के कारण महाद्वीपीय प्रकार की है। अतः यहाँ ग्रीष्म ऋतु में गर्मी अधिक तथा शीत ऋतु में ठंड अधिक होती है।
- इस क्षेत्र की औसत वर्षा 75 सेमी से कम है, जिससे इस क्षेत्र को उप-आर्द्र की श्रेणी में रखा जाता है।
- इस क्षेत्र का गर्मियों में औसत तापमान 40° से 45.5°C तथा सर्दियों में औसत तापमान 15°–18° C रहता है।

### मालवा का पठार *(Plateau of Malwa)*

- इस क्षेत्र में सम जलवायु पाई जाती है। इसी कारण यहाँ ग्रीष्म ऋतु में न तो अधिक गर्मी पड़ती है और न ही शीत ऋतु में अधिक ठंडी।
- इस क्षेत्र में सर्वाधिक गर्मी मई महीने में पड़ती है। इस क्षेत्र का औसत तापमान लगभग 10 से 15°C सर्दियों में तथा 40 से 42°C गर्मियों में होता है।
- यहाँ पर सर्वाधिक वर्षा अरब सागर से आने वाली मानसून से होती है। इस क्षेत्र में वर्षा दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से उत्तर-पूर्व की ओर घटती जाती है।

### बघेलखंड का पठार *(Plateau of Baghelkhand)*

- कर्क रेखा इस क्षेत्र को दो भागों में विभक्त करती है, जिसके कारण बघेलखंड पठार क्षेत्र की जलवायु मानसूनी प्रकार की है।
- यहाँ ग्रीष्म ऋतु में गर्मी उष्णार्द्र एवं शीत ऋतु में ठंडी सामान्य एवं शुष्क होती है। यहाँ ग्रीष्म ऋतु का औसत तापमान 35.5°C तथा शीत ऋतु का 12.5°C रहता है। बघेलखंड पठार की औसत वार्षिक वर्षा 125 सेमी. होती है।
- इन क्षेत्रों में सोन नदी अपवाह तंत्र का विस्तार है, इस क्षेत्र की औसत ऊँचाई लगभग 400 मी. है।

अध्याय
5

# मध्य प्रदेश : अपवाह तंत्र एवं सिंचाई (Madhya Pradesh : Drainage and Irrigation)

मध्य प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ कृषि नदियों और सिंचाई के अन्य साधनों पर निर्भर होती है। नदियों को कृषि आधारित राज्यों की जीवन रेखा कहते हैं, क्योंकि वे क्षेत्र विशेष के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। नदियाँ न सिर्फ सिंचाई करती हैं बल्कि जल विद्युत उत्पादन, मत्स्योत्पादन भी इन्हीं के माध्यम से होती हैं। राज्य में नर्मदा और यमुना बेसिन के विशाल क्षेत्र हैं। मध्य प्रदेश में अनेक नदियों के उद्‌गम व प्रवाह के फलस्वरूप मध्य प्रदेश को **'नदियों का मायका'** कहा जाता है।

## 5.1 मध्य प्रदेश में प्रवाहित होने वाली नदियाँ *(Rivers Flowing in Madhya Pradesh)*

राज्य में प्रमुख नदियाँ निम्नलिखित हैं-

***नर्मदा नदी***

- मध्य प्रदेश की जीवन रेखा कही जाने वाली नर्मदा नदी का उद्‌गम **अनूपपुर ज़िले** की **अमरकंटक चोटी** से होता है। यह तीन राज्यों में बहते हुए (मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात) भड़ौच के निकट खंभात की खाड़ी में गिरती है।
- नर्मदा नदी मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी नदी है। इस नदी को मध्य प्रदेश की 'गंगा' एवं 'जीवन रेखा' भी कहते हैं, एवं जिसकी कुल लंबाई 1312 किमी. है, जिसमें लगभग 1077 किमी. भाग मध्य प्रदेश से होकर गुज़रती है।
- इसकी लगभग 41 सहायक नदियाँ हैं जिसमें प्रमुख हैं- बरनार, बंजर, गंजाल, तवा, हिरण, शक्कर, दूधी, शेर, गोई आदि।
- नर्मदा नदी को अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे- रेवा, सोगो देवी, मैकल सुता, नामोदास, शंकरी।
- भारत की **5वीं सबसे बड़ी नदी** नर्मदा है। नर्मदा नदी द्वारा निर्मित जलप्रपात- कपिलधारा एवं दुग्धधारा जलप्रपात (अनूपपुर), धुआँधार जलप्रपात (भेड़ाघाट, जबलपुर), सहस्रधारा जलप्रपात (महेश्वर, खरगौन), दर्दी जलप्रपात, मंधार जलप्रपात।
- इसकी दाएँ तट की सहायक नदियों में हिरण, तिनदोनी, बरना, कोनर, मान, ऊँटी एवं हथिनी आदि हैं।
- इसकी बाएँ तट की सहायक नदियों में बरनार, बंजर, तवा, छोटी तवा, कुंदी, दूधी, शेर, शक्कर, गंजाल और गोई हैं।
- नर्मदा नदी पर निर्मित बाँध- इंदिरा सरोवर (खंडवा), सरदार सरोवर (नवेगाव, गुजरात), महेश्वर परियोजना (महेश्वर) इत्यादि हैं।
- नर्मदा नदी के तटीय शहर- अमरकंटक, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, महेश्वर, बड़वानी, झाबुआ इत्यादि।

***चंबल नदी***

- पश्चिमी मध्य प्रदेश की मुख्य नदी चंबल का उद्‌गम स्थल **इंदौर ज़िले** में **महू के समीप जनापाव पहाड़ी** है। यह नदी इटावा (उत्तर प्रदेश) के समीप यमुना में विलीन हो जाती है।
- यह मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी नदी है, इसे धर्मावती (चर्मावती) के नाम से भी जाना जाता था।
- इस नदी की कुल **लंबाई लगभग 965 किमी.** है। **मध्य प्रदेश एवं राजस्थान** की सीमा चंबल नदी निर्धारित करती है।
- चंबल नदी की प्रमुख सहायक नदियों में पार्वती, सिंध, काली सिंध आदि हैं। यह नदी भिंड, मुरैना के क्षेत्रों में खड्डों एवं बीहड़ों का निर्माण करती है।
- चंबल नदी कोटा में भैंसरोडगढ़ के समीप चूलिया जलप्रपात बनाती है।
- चंबल नदी पर निर्मित बाँध-गांधी सागर बाँध (मंदसौर, मध्य प्रदेश), राणा प्रताप सागर बाँध (चित्तौड़गढ़, राजस्थान), जवाहर सागर बाँध (कोटा, राजस्थान)।
- इस नदी के जल द्वारा अवनालिका अपरदन से बीहड़ों का निर्माण हुआ है।

अध्याय 6

# मध्य प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन (Madhya Pradesh : Agriculture & Animal Husbandry)

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। यहाँ आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि है। यहाँ की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग कृषि कार्य में लगा हुआ है, फिर भी यह राज्य कृषि क्षेत्र में अन्य राज्यों की तुलना में पीछे है। इसकी वज़ह भौगोलिक मानसून, विषमता की स्थिति, आधुनिक कृषि यंत्रों का अभाव, अविकसित तकनीक तथा अशिक्षा है।

राज्य की महत्त्वपूर्ण **फसल सोयाबीन** है, खाद्यान्न फसलों में गेहूँ बोया जाता है। वर्ष 2017-18 के दौरान फसल क्षेत्र में 1.61 प्रतिशत की कमी हुई है।

## 6.1 राज्य की प्रमुख फसलें *(Major Crops of the State)*

राज्य की प्रमुख फसलों में, गेहूँ, मक्का, चना, चावल, अरहर, दलहन, सोयाबीन, तिलहन, राई, अलसी, तिल, मटर आदि शामिल हैं। वाणिज्यिक फसलों में कपास, गन्ना, अफीम, मसाले, मेस्टा, गाँजा, सनई आदि प्रमुख हैं।

| फसल | भौगोलिक स्थिति एवं विशेषताएँ |
|---|---|
| **गेहूँ** | • यह प्रदेश की महत्त्वपूर्ण फसल है। इसकी बुआई रबी के मौसम में होती है। यह मध्य प्रदेश की प्रमुख सिंचित फसल है।<br>• प्रदेश का सर्वाधिक **गेहूँ मालवा के पठार** क्षेत्र में होता है। गेहूँ के उत्पादन ज़िलों में होशंगाबाद, रायसेन, भोपाल एवं विदिशा शामिल हैं।<br>• गेहूँ की आवश्यक भौगोलिक दशाओं में 50–75 सेमी. के वर्षा तथा गेहूँ की बुआई के समय आवश्यक तापमान 10°C–15°C तथा पकने के लिये 20–25°C तापमान की आवश्यकता होती है।<br>• वर्ष 2016–17 में राज्य में गेहूँ का उत्पादन 21918.00 हज़ार मीट्रिक टन हुआ।<br>• प्रदेश में गेहूँ की सर्वाधिक उपज दर रतलाम ज़िले में पाई जाती है। राज्य में फसलों का उत्पादन घटते क्रम में क्रमशः गेहूँ, सोयाबीन, चना, चावल, मक्का, कपास एवं ज्वार है।<br>• राज्य में 'गेहूँ' अनाजों में सर्वाधिक तथा सभी फसलों में सोयाबीन के बाद उत्पादन की जाने वाली प्रमुख फसल है। |
| चावल | • चावल (धान) अविभाजित मध्य प्रदेश की महत्त्वपूर्ण फसल थी। इस फसल के लिये औसत वार्षिक वर्षा 100–125 सेमी. होनी चाहिये।<br>• मध्य प्रदेश में चावल की खेती मुख्य रूप से बालाघाट, डिंडोरी, एवं सिवनी ज़िलों में की जाती है।<br>• बालाघाट ज़िले में सर्वाधिक चावल का उत्पादन होता है।<br>• चावल की अधिकतम उपज दर श्योपुर ज़िले में है। वर्ष 2016–17 में प्रदेश में चावल का उत्पादन 8070 हज़ार मीट्रिक टन रहा। |
| मक्का | • यह प्रदेश की तीसरी प्रमुख फसल है। इसका उत्पादन रतलाम, धार, छिंदवाड़ा, बैतूल, सिवनी, शाजापुर, मंदसौर तथा रायगढ़ में मुख्य रूप से किया जाता है।<br>• इसका उत्पादन कम उपजाऊ तथा ऊबड़-खाबड़ भूमि पर होता है। मक्का का सर्वाधिक क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता छिंदवाड़ा ज़िले में पाई जाती है।<br>• वर्ष 2016–17 में प्रदेश में मक्का का उत्पादन 4301 हजार मीट्रिक टन रहा। |

अध्याय 7

# मध्य प्रदेश : वन तथा वन्यजीव अभयारण्य (Madhya Pradesh : Forest and Wildlife Sanctuary)

मध्य प्रदेश वन एवं वन संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। मानसूनी जलवायु की प्रकृति, वर्षा की मात्रा, तापमान एवं पठारी भूमि आदि घटक वनों के विकास में सहायक हैं। राज्य में सकल घरेलू उत्पाद में वानिकी क्षेत्र का अंश वर्ष 2017–18 में 1.81% है। मध्य प्रदेश को वनों का राज्य भी कहा जाता है। मध्य प्रदेश में उष्णकटिबंधीय वन पाए जाते हैं।

इस राज्य का लगभग एक-तिहाई भू-भाग वन से घिरा हुआ है। वन अनुसंधान संस्थान की क्षेत्रीय अनुसंधान शाखा राज्य के जबलपुर ज़िले में स्थित है।

## 7.1 वनों का भौगोलिक क्षेत्र *(Geographical Area of Forests)*

- राज्य वन रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में कुल वनों का विस्तार 94,689 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में है, जो प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 30.72% तथा देश के कुल वन क्षेत्रों का 12.38% है।
- वनों में वृद्धि, विकास और रख-रखाव के प्रशासनिक दृष्टिकोण से वनों को 3 भागों में बाँटा गया है-

**वनों का प्रशासनिक वर्गीकरण**

- आरक्षित वन
- संरक्षित वन
- अवर्गीकृत वन

### आरक्षित वन *(Reserve forest)*

- मध्य प्रदेश में आरक्षित वनों का क्षेत्रफल लगभग 61,888 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल वन क्षेत्र का 65.36% है। आरक्षित वनों में लकड़ी काटना, पशुचारण, आवागमन पूर्णतः निषेध होता है।
- आरक्षित वन का प्रबंधन प्रशासन द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से होता है।
- सबसे ज़्यादा आरक्षित वनों का अनुपात खंडवा वन वृत्त में तथा न्यूनतम अनुपात उज्जैन वन (अन्य स्रोतों में छतरपुर) वृत्त में है।

### संरक्षित वन *(Protected forest)*

- मध्य प्रदेश में संरक्षित वन का क्षेत्रफल लगभग 31,096 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल वन क्षेत्र का 32.84% है। इन वनों का प्रबंधन प्रशासन की देख-रेख में किया जाता है।
- संरक्षित वनों में पशुचारण व आवागमन की अनुमति रहती है तथा विशेष परिस्थिति में प्रशासनिक अनुमति द्वारा पेड़ काटने की सुविधा वन निवासियों को रहती है।
- संरक्षित वनों का सर्वाधिक हिस्सा इंदौर में तथा न्यूनतम खंडवा में पाया जाता है।

### अवर्गीकृत वन *(Unclassified forest)*

- मध्य प्रदेश में अवर्गीकृत वन का क्षेत्रफल लगभग 1,705 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल वन क्षेत्र का 1.80% है।
- इन वनों में पशुचारण, वन काटने और आवागमन की सुविधा रहती है।

अध्याय
8

# मध्य प्रदेश : खनिज संसाधन (Madhya Pradesh : Mineral Resources)

मध्य प्रदेश में प्रचुर मात्रा में खनिज भंडार उपलब्ध हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था एवं औद्योगिक प्रगति में खनिजों का महत्त्वपूर्ण योगदान है। खनिज संसाधनों में प्रचुरता की दृष्टि से मध्य प्रदेश राष्ट्र के आठ प्रमुख खनिज संपन्न राज्यों में से एक है। हीरा उत्पादन में इस राज्य को भारत में एकाधिकार प्राप्त होने के साथ-साथ ताम्र अयस्क एवं मैंगनीज अयस्क के उत्पादन में भी इसे राष्ट्र में प्रथम स्थान प्राप्त है। इसके अतिरिक्त प्रदेश को रॉक फॉस्फेट एवं चूना-पत्थर के उत्पादन में राष्ट्र में द्वितीय स्थान प्राप्त है। कोयला के उत्पादन में प्रदेश का स्थान राष्ट्रीय स्तर पर चौथा है। वर्ष 2016-17 में हीरा, कोयला, रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में वृद्धि अंकित की गई। इसी अवधि में सर्वाधिक 3.03% की वृद्धि रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में दर्ज की गई है।

## 8.1 प्रदेश में खनिज वितरण *(Mineral Distribution in the State)*

विशिष्ट शैल समूहों के द्वारा प्रदेश में खनिजों का वितरण निर्धारित किया जाता है। परंतु शैल समूह का वितरण समान नहीं होने के कारण प्रदेश में खनिजों के वितरण में असमानता पाई जाती है। प्रदेश में प्रमुख खनिजों का विवरण निम्नानुसार है-

| प्रमुख खनिज | |
|---|---|
| लौह अयस्क | ● लौह अयस्क के भंडार मध्य प्रदेश में कम मात्रा में पाए जाते हैं, मध्य प्रदेश के कुछ भागों में लौह-अयस्क के निक्षेप पाए जाते हैं, जिनमें जबलपुर, ग्वालियर और खंडवा आदि ज़िले शामिल हैं।<br>● लौह-अयस्क के उत्पादन में प्रदेश का देश में 6वाँ स्थान है। हेमेटाइट अयस्क का भंडार जबलपुर ज़िले के उत्तर-पूर्वी भाग में बिजवार सीरीज में पाए जाते हैं। इनमें अगरिया, सरौली, जौली, कन्हवारा पहाड़ियाँ और सिहोरा क्षेत्र के निक्षेप मुख्य हैं। साथ ही लेटेराइट प्रकार (लौह अंश) का 40% तक लौह अयस्क विदिशा, शाजापुर, उज्जैन, मंदसौर, शिवपुरी, धार, सरगुजा, झाबुआ एवं ग्वालियर में मिलता है। |
| मैंगनीज | ● मैंगनीज के उत्पादन में मध्य प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। मैंगनीज के भंडार आर्कियन काल की शैलों में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश के मैंगनीज भंडार बालाघाट, छिंदवाड़ा एवं झाबुआ ज़िलों में अधिक पाए जाते हैं।<br>● मैंगनीज का निर्यात अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन और रूस को किया जाता है। |
| टंगस्टन | ● टंगस्टन मुख्य रूप से बूलफ्राम नामक खनिज से प्राप्त किया जाता है। इसका उपयोग इस्पात को काटने, बिजली के बल्ब के फिलामेंट, ट्यूब, एक्स-रे, पारा संशोधकों, राडार रेडियो, टेलिविजन यंत्रों आदि में किया जाता है।<br>● मध्य प्रदेश में होशंगाबाद ज़िले के **'आगरगाँव'** नामक स्थान से टंगस्टन खनिज प्राप्त होता है। |
| बॉक्साइट | ● बॉक्साइट एल्यूमिनियम का खनिज अयस्क है। यह मध्य प्रदेश के दक्षिणी और पश्चिमी भाग में मुख्य रूप से विंध्यन काल की सैंडस्टीन (बालू शैलिका) एवं क्वार्टजाइट में पाए जाते हैं।<br>● प्रदेश में बॉक्साइट का उत्खनन डिंडोरी, मंडला, अनूपपुर (अमरकंटक क्षेत्र), शहडोल, जबलपुर, बालाघाट व सतना में होता है।<br>● उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर ज़िले में स्थित रेनूकूट एल्यूमिनियम संयंत्र को अनूपपुर के अमरकंटक से बॉक्साइट भेजा जाता है। |

अध्याय
9

# मध्य प्रदेश : औद्योगीकरण एवं नियोजन (Madhya Pradesh : Industrialization and Planning)

किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिये यह आवश्यक है कि वहाँ उद्योगों का विकास किया जाए। मध्य प्रदेश एक खनिज संसाधन संपन्न प्रदेश है, फिर भी यह औद्योगिक दृष्टि से काफी पिछड़ा है। अपनी कुछ समस्याओं के कारण यहाँ औद्योगीकरण काफी धीमी गति से हुआ। यद्यपि 1990 के बाद वैश्वीकरण एवं उन्मुक्त व्यापार होने पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने देश के अलग-अलग प्रदेशों को बड़े बाज़ारों के रूप में उभारा, लेकिन पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकी। वर्तमान में मध्य प्रदेश सरकार औद्योगीकरण से विकास करने के लिये विभिन्न नीतियाँ बना रही है।

**कैट (CAT)**

कैट (Centre for Advanced Technology) को मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थापित किया गया है। यह विश्व का तीसरा तथा एशिया में प्रथम लेजर किरण ऊर्जा अनुसंधान केंद्र है। कैट का नाम दिसंबर 2005 में राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिक केंद्र (RRCAT) कर दिया गया है। यह BARC (Bhabha Atomic Research Centre) की एक यूनिट के रूप में स्थापित है।

## मध्य प्रदेश में उद्योगों का नियोजित विकास

- भारत ने वर्ष 1951 में पंचवर्षीय योजना के ज़रिये आर्थिक नियोजन को अपनाया, चूँकि प्रथम पंचवर्षीय योजना में कृषि के विकास पर विशेष बल दिया गया था इसलिये औद्योगिक विकास उपेक्षित रहा।
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल (1956–61) में भोपाल हैवी इलेक्ट्रिकल, भिलाई में लौह-इस्पात कारखाना, भोपाल पावर अल्कोहल प्लांट, रतलाम कॉटन सीड तथा साल्वेंट-एक्सट्रेक्ट प्लांट, उज्जैन में कॉटन स्पिनिंग मिल, सनावद और ग्वालियर एवं इंदौर में इंडस्ट्रियल एस्टेट्स स्थापित की गई।
- तृतीय पंचवर्षीय योजना काल (1961–66) में उद्योगों के समुचित विकास के लिये तीन संगठन बनाए गए–
  - मध्य प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन
  - मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम
  - मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम
- चौथी पंचवर्षीय योजना काल (1969–74) में सार्वजनिक क्षेत्र में पेपर जैसे इमुनोटेड कंडक्ट प्लांट, हाइड्रोजनरेट ऑयल प्लांट तथा फेरिक एसिड इत्यादि का विकास किया गया।
- पाँचवीं पंचवर्षीय योजना काल (1974–79) में औद्योगीकरण दर को बढ़ाया गया।
- छठी पंचवर्षीय योजना (1980–85) एवं सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985–90) से मध्य प्रदेश में औद्योगीकरण के विकास में वृद्धि होने लगी।
- औद्योगिक नीति 1994 में लघु एवं कुटीर उद्योग के विकास को प्राथमिकता दी गई, ताकि ग्रामीण रोज़गार में वृद्धि हो।
- मध्य प्रदेश के अधिकांश उद्योग खनिज, सीमेंट तथा वन, कृषि उत्पादों पर निर्भर हैं।
- वर्तमान में मध्य प्रदेश में लगभग 32 लघु सीमेंट संयंत्र हैं, जैसे बानमोर (मुरैना), कैमूर (कटनी) तथा सतना ज़िलों में अवस्थित हैं।
- नेपानगर में अखबारी कागज का कारखाना, इंदौर में डीजल इंजन कारखाना, होशंगाबाद में नोट छापने के कागज का कारखाना आदि से स्पष्ट होता है कि राज्य उद्योगों के क्षेत्र में आज भी संपन्न हैं।

अध्याय
10

# मध्य प्रदेश : ऊर्जा संसाधन (Madhya Pradesh : Energy Resources)

किसी भी देश या प्रदेश की उन्नति में ऊर्जा संसाधन मुख्य आधार तत्त्व होता है। ऊर्जा संसाधन जीवन स्तर के सुधार एवं तकनीकी विकास में अहम भूमिका निभाती है। मध्य प्रदेश ऊर्जा संसाधन की दृष्टि से संपन्न राज्य है, लेकिन उनके दोहन के मामले में पिछड़ा हुआ है। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल प्रदेश का सबसे बड़ा उपक्रम है, जिसका मुख्यालय भोपाल में है। उल्लेखनीय है कि खनिज तेल, कोयला, आणविक खनिज, प्राकृतिक गैस एवं जल विद्युत ऊर्जा आदि पारंपरिक स्रोत हैं, जबकि सौर ऊर्जा, बायो गैस, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, कचरे से उत्पन्न ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा आदि गैर-पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत हैं। ऊर्जा का बड़ा भाग परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से ही प्राप्त होता है, किंतु यह ऐसा स्रोत है, जिसके भंडार सीमित हैं तथा यह भविष्य में समाप्त हो सकता है।

## 10.1 ऊर्जा *(Energy)*

**कोयला:** कोयला उत्पादन की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में प्रमुख स्थान है, जिसके कारण यहाँ अनेक तापीय विद्युत केंद्र स्थापित किये गए हैं। मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र सोहागपुर (शहडोल) में स्थित है। इन क्षेत्रों में उच्च कोटि का कोयला पाया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य के अलग हो जाने के बाद मध्य प्रदेश के लिये ऊर्जा संसाधन अधिक चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि अधिकांश परंपरागत ऊर्जा भंडार छत्तीसगढ़ राज्य में जा चुके हैं, जिनमें कोयला क्षेत्र प्रमुख है, जबकि विभाजित मध्य प्रदेश में उमरिया, सिंगरौली तथा सतपुड़ा प्रदेश के कुछ क्षेत्रों से कोयले का उत्खनन किया जा रहा है।

**ताप विद्युतगृह–** कोयले से पैदा की जाने वाली ऊर्जा को **'ताप विद्युत'** कहते हैं। प्रदेश में लगभग दो-तिहाई विद्युत ताप विद्युत गृहों से उत्पन्न की जाती है। इसके केंद्र निम्नलिखित हैं–

**ताप विद्युत गृह (Thermal power plant)**

| नाम | क्षमता (मेगावट) | महत्त्व |
|---|---|---|
| अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई (अनूपपुर) | 450 | सोहागपुर कोयला क्षेत्र में स्थित, कोयले की आपूर्ति अमलाई एवं चचाई खानों से तथा जल आपूर्ति सोन नदी से |
| सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी (बैतूल) | 1330 | पाथरखेड़ा कोयला क्षेत्र में स्थित, जल आपूर्ति तवा नदी पर बाँध बनाकर |
| संजय गांधी ताप विद्युत गृह, बिरसिंहपुर (उमरिया) | 1340 | जोहिला नदी बाँध द्वारा जल आपूर्ति |
| विंध्याचल वृहत् ताप विद्युत परियोजना, (सिंगरौली) | 3760 | सिंगरौली कोयला क्षेत्र में स्थित, सोवियत संघ की सहायता से निर्माणाधीन, प्रदेश का सर्वाधिक बड़ा संयंत्र है। |
| बीना ताप विद्युत गृह, सागर | 500 | विंध्य प्रदेश कोयला क्षेत्र में |
| चाँदनी ताप विद्युत गृह, नेपानगर (बुरहानपुर) | 17 | नेपानगर के अखबारी कागज के कारखाने को विद्युत आपूर्ति करता है। |

- **अमरकंटक ताप विद्युतगृह–** वर्तमान में **चचाई** स्थित अमरकंटक ताप विद्युतगृह परिसर में $1 \times 210$ तथा $2 \times 120$ मेगावाट की कुल तीन इकाइयाँ स्थापित हैं। इसे कोयला, सोहागपुर कोयला क्षेत्र की अमलाई और चचाई खदानों से मिलता है।
- **सतपुड़ा ताप विद्युतगृह–** यह बैतूल ज़िले के **पाथरखेड़ा** कोयला क्षेत्र में स्थित है। इसकी कुल क्षमता 1330 मेगावाट है। इस केंद्र को **तवा नदी** के बाँध में बने जलाशय से जल प्राप्त होता है।

अध्याय 11

# मध्य प्रदेश : परिवहन एवं संचार (Madhya Pradesh : Transport and Communication)

## 11.1 परिवहन *(Transport)*

प्रदेश में अधोसंरचनात्मक सुविधाओं की दृष्टि से यातायात मार्गों एवं परिवहन संसाधनों का विशेष महत्त्व है। आवागमन हेतु राज्य में सड़कों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। परिवहन साधनों का महत्त्व किसी प्रदेश के विकास के लिये उतना ही होता है, जितना शरीर में रक्त धमनियों का होता है। राज्य में उपलब्ध खनिज, वनोपज, कृषि उपज, उपभोक्ता वस्तुओं एवं जनसामान्य को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिये रेल एवं सड़क मार्गों का होना अत्यंत आवश्यक होता है।

प्रदेश में रेल मार्गों की लंबाई की अपर्याप्तता के फलस्वरूप सड़क यातायात पर निर्भरता अपेक्षाकृत अधिक है।

मध्य प्रदेश में परिवहन के तीन मुख्य साधन हैं–

**परिवहन के मुख्य साधन**

सड़क मार्ग | रेल मार्ग | वायु मार्ग

### सड़क मार्ग *(Roadway)*

- जनवरी 2018 तक राज्य में सड़कों की कुल लंबाई 64719 किमी. है तथा उसमें सुधार हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।
- राज्य लोक निर्माण विभाग की विभिन्न श्रेणी के मार्गों की लंबाई का वर्षवार विवरण निम्न है–

**प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा संधारित सड़कों की लंबाई**

| वर्ष | राष्ट्रीय राजमार्ग | प्रांतीय राजमार्ग | मुख्य ज़िला मार्ग | अन्य ज़िला/ ग्रामीण मार्ग | कुल योग (कि.मी.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 2013–14 (जनवरी 14) | 4709 | 10501 | 19574 | 24089 | 58873 |
| 2014–15 (जनवरी 15) | 4771 | 10934 | 19429 | 26482 | 61616 |
| 2015–16 (जनवरी 16) | 4771 | 10934 | 19429 | 26482 | 61616 |
| 2016–17 (जनवरी 17) | 7806 | 11060 | 20412 | 24359 | 63637 |
| 2017–18 (जनवरी 18) | 7806 | 11389 | 22129 | 23395 | 64719 |

**राष्ट्रीय राजमार्ग :** मध्य प्रदेश राज्य से होकर गुज़रने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 7806 किलोमीटर है, जिसमें सर्वाधिक लंबाई 717 किमी. आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग-3 की है। वाराणसी-कन्याकुमारी राष्ट्रीय राजमार्ग (NH–7) प्रदेश से गुजरने वाला दूसरा लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है। जिसकी कुल लंबाई 511 किमी. है। राष्ट्रीय राजमार्ग मध्य प्रदेश राज्य को देश के मुंबई, आगरा, वाराणसी, कन्याकुमारी, जयपुर, लखनऊ, झाँसी, इलाहाबाद, अहमदाबाद, रेनुकूट, ऊधमपुर, कोटा, बाँदा, अजमेर, कानपुर, आदि महत्त्वपूर्ण नगरों से जोड़ते हैं।

**उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पश्चिम कॉरीडोर का निर्माण :** उक्त योजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग में पूर्व-पश्चिम कॉरीडोर के अंतर्गत लगभग 511 किमी. एवं उत्तर-दक्षिण कॉरीडोर के अंतर्गत 111 किलोमीटर (कुल 622 किमी.) का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली को हस्तांतरित किया जा चुका है एवं विशेष योजना के अंतर्गत 300 किलोमीटर लंबाई वाले राजमार्ग का निर्माण कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा वर्तमान में किया जा रहा है।

अध्याय 12

# मध्य प्रदेश : जनगणना-2011 (Madhya Pradesh : Census–2011)

जनगणना संघ सूची का विषय है। इसकी चर्चा संविधान के अनुच्छेद-246 में की गई है। 2011 की जनगणना देश की 15वीं जनगणना है तथा स्वतंत्र भारत की 7वीं जनगणना है। जनगणना की महत्ता को देखते हुए संघ सरकार ने 1961 में 'जनगणना विभाग' की, स्थापना की जो गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। ब्रिटिश भारत में 1872 ई. के लार्ड मेयो के शासनकाल में पहली जनगणना हुई तथा 1881 ई. में लॉर्ड रिपन के कार्यकाल से इसने निरंतरता प्राप्त की। भारत सरकार द्वारा इस परंपरा को जारी रखते हुए प्रत्येक 10 वर्ष के अंतराल पर देश की जनगणना करवाई जाती है।

- 2011 की जनगणना के आधार पर मध्य प्रदेश जनसंख्या के मामले में छठे स्थान पर है।
- प्रदेश की कुल जनसंख्या - 7,26,26,809
  - पुरुष जनसंख्या - 3,76,12,306
  - महिला जनसंख्या - 3,50,14,503
- राज्य की जनसंख्या प्रतिशत देश की कुल जनसंख्या का 5.99% है।
- जनगणना 2011 में राज्य की कुल ग्रामीण जनसंख्या 5,25,57,404 (72.4%) व नगरीय जनसंख्या 2,00,69,405 (27.6%)
- राज्य में सर्वाधिक जनसंख्या वाला ज़िला - इंदौर (4.5%)
- राज्य में सबसे कम जनसंख्या वाला ज़िला - हरदा (0.8%)

जनगणना आयुक्त कार्यालय (जनगणना महानिदेशक श्री सी. चंद्रमौली) द्वारा जनगणना 2011 के अंतिम आँकड़े जारी किये गए। यह मध्य प्रदेश की छठी एवं देश की पंद्रहवीं जनगणना थी। उस समय प्रदेश के जनगणना निदेशक सचिन सिन्हा थे।

| प्रदेश के सर्वाधिक जनसंख्या वाले ज़िले | | |
|---|---|---|
| 1. | इंदौर | 32,76,697 |
| 2. | जबलपुर | 24,63,289 |
| 3. | सागर | 23,78,458 |
| 4. | भोपाल | 23,71,061 |
| 5. | रीवा | 23,65,106 |

| प्रदेश के न्यूनतम जनसंख्या वाले ज़िले | | |
|---|---|---|
| 1. | हरदा | 5,70,465 |
| 2. | उमरिया | 6,44,758 |
| 3. | श्योपुर | 6,87,861 |
| 4. | डिंडोरी | 7,04,524 |
| 5. | अलीराजपुर | 7,28,999 |

**प्रदेश की कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या-** 5,25,57,404

पुरुष - 2,71,49,388 महिला - 2,54,08,016

ग्रामीण जनसंख्या प्रदेश की कुल जनसंख्या का 72.4% है।

**प्रदेश की कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या-** 200,69,405

पुरुष - 1,04,62,918 महिला - 96,06,487

शहरी जनसंख्या का प्रतिशत प्रदेश की कुल जनसंख्या का 27.6% है।

| प्रदेश के सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले ज़िले | | |
|---|---|---|
| 1. | रीवा | 19,69,321 |
| 2. | धार | 1,77,2572 |
| 3. | सतना | 17,54,517 |
| 4. | सागर | 16,69,662 |
| 5. | छिंदवाड़ा | 15,85,739 |

| प्रदेश के सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाले ज़िले | | |
|---|---|---|
| 1. | इंदौर | 24,27,709 |
| 2. | भोपाल | 19,17,051 |
| 3. | जबलपुर | 14,40,034 |
| 4. | ग्वालियर | 12,73,792 |
| 5. | उज्जैन | 7,79,213 |

अध्याय **13**

# मध्य प्रदेश : राजव्यवस्था व प्रशासन
# (Madhya Pradesh : Polity and Administration)

अपने नाम के अनुरूप ही मध्य प्रदेश देश के मध्य भाग में स्थित है। ब्रिटिश शासनकाल में इसे **सेंट्रल इंडिया** के नाम से जाना जाता था तथा इसमें **महाकौशल सेंट्रल प्रॉविंसेस, बरार, बघेलखंड** तथा **छत्तीसगढ़** की रियासतें शामिल थीं। मध्य प्रदेश का अस्तित्व 1947 से ही था। उस समय मध्य प्रदेश को पार्ट–A पार्ट–B तथा पार्ट–C में विभाजित किया गया था।

| | | |
|---|---|---|
| **पार्ट–A** | राजधानी–नागपुर | सेंट्रल प्रॉविंसेस और बरार में बघेलखंड, छत्तीसगढ़ की रियासतें |
| **पार्ट–B** | राजधानी–ग्वालियर, इंदौर | पश्चिम की रियासतों को इसमें शामिल किया गया था। |
| **पार्ट–C** | राजधानी–रीवा | विंध्य प्रदेश |

- 29 दिसंबर, 1953 को भारत सरकार ने **सैयद फजल अली** की अध्यक्षता में **राज्य पुनर्गठन आयोग** की स्थापना की थी। इसके अन्य सदस्यों में **डॉ. के.एम. पणिक्कर** और **पं. हृदयनाथ कुंजरू** थे। आयोग ने भाषायी आधार पर राज्य पुनर्गठन की सिफारिश की।
- 1 नवंबर, 1956 को आयोग की अनुशंसा के आधार पर 43 ज़िलों को मिलाकर मध्य प्रदेश को पुनर्गठित किया गया। इस पुनर्गठन से मध्य प्रदेश की सीमाओं में व्यापक परिवर्तन हुए।
  - बुल्ढाणा (बुल्ढाना), अमरावती, वर्धा, भंडारा, नागपुर तथा चाँदा ज़िले तत्कालीन बंबई ज़िले में चले गए।
  - मंदसौर का भानपुरा तहसील मध्य प्रदेश का भाग बना, पहले यह राजस्थान में सम्मिलित था।
  - राजस्थान के कोटा ज़िले की सिरोंज तहसील को मध्य प्रदेश के विदिशा ज़िले में मिला दिया गया।
  - विंध्य प्रदेश नामक 'पार्ट सी' स्टेट को मध्य प्रदेश में विलय कर दिया गया तथा संपूर्ण भोपाल रियासत को मध्य प्रदेश का भाग बना दिया गया।
  - मध्य प्रदेश की नवीन राजधानी भोपाल को बनाया गया, जो कि पूर्व में सीहोर ज़िले की एक तहसील थी।
- नवगठित तत्कालीन मध्य प्रदेश में 1951 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या 2,60,95,680 तथा क्षेत्रफल 4,42,891 वर्ग किमी. था।
- 31 अक्टूबर, 1956 की मध्यरात्रि को भोपाल के मिंटो हॉल में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ, जिसमें डॉ. पट्टाभि सीतारमैया को मध्य प्रदेश के प्रथम राज्यपाल के रूप में तत्कालीन न्यायाधीश श्री एम. हिदायतुल्ला द्वारा शपथ दिलाई गई, तत्पश्चात् राज्यपाल द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल को प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई।
- राज्य सरकार द्वारा नए **ज़िलों** के गठन हेतु 1983 में ज़िला पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया था। बी.आर. दूबे की अध्यक्षता में गठित सिंह देव समिति के अनुशंसा पर वर्ष 1998 में 10 नए ज़िलों का गठन किया गया।
- मध्य प्रदेश शासन द्वारा छः नए ज़िलों के गठन की घोषणा की गई। इन ज़िलों में धमतरी, महासमुंद, उमरिया, कवर्धा, नीमच और हरदा थे। इन ज़िलों के गठन के पश्चात् मध्य प्रदेश में ज़िलों की संख्या 61 हो गई।
- मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ को 16 ज़िलों के साथ 31 अक्टूबर, 2000 को पृथक् कर दिया गया तथा 1 नवंबर, 2000 को छत्तीसगढ़ का नए राज्य के रूप में गठन हुआ।
- तीन ज़िले बुरहानपुर (खंडवा से), अनूपपुर (शहडोल से) तथा अशोक नगर (गुना से) का वर्ष, 2003 में गठन किया गया, जिससे प्रदेश में ज़िलों की संख्या 48 हो गई। वर्ष 2008 में शासन ने झाबुआ ज़िले को विभाजित कर अलीराजपुर तथा सीधी ज़िले को विभाजित कर **सिंगरौली ज़िले** को गठित किया गया।

25 मई, 1998 को नियमानुसार 10 नए ज़िले– श्योपुर, बड़वानी, डिंडोरी, कटनी, पश्चिमी सरगुजा, जशपुर, जाँजगीर चापा, कोरबा, दंतेवाड़ा, काँकेर।

**छत्तीसगढ़ में शामिल 16 ज़िले–** कोरिया, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, बिलासपुर, राजगढ़, दुर्ग, कवर्धा, महासमुंद, रायपुर, राजनंदगाँव, कांकेर, धमतरी, दंतेवाड़ा, बस्तर और जांजगीर-चापा।

अध्याय
14

# मध्य प्रदेश : पंचायती राजव्यवस्था
# (Madhya Pradesh : Panchayati Raj System)

पंचायती राज स्थानीय स्तर पर स्वशासन की एक व्यवस्था है, जो लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का प्रमुख आधार है। 73वें संविधान संशोधन 1992 के पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत मध्य प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 29 दिसंबर, 1993 को विधानसभा में पारित किया गया एवं 24 जनवरी, 1994 को राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के साथ ही इसे 25 जनवरी, 1994 को संपूर्ण मध्य प्रदेश में लागू कर दिया गया।

- भारत के स्वतंत्र होने के पश्चात् **2 अक्टूबर, 1952** को सामुदायिक विकास कार्यक्रम को प्रारंभ करने की घोषणा की गई।
- **वर्ष 1956** में **बलवंत राय मेहता** की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया, जिसका उद्देश्य पंचायती राजव्यवस्था को मज़बूती प्रदान करना था।
- देश में सर्वप्रथम पंचायती राज की शुरुआत राजस्थान के **नागौर** ज़िले से हुई।
- बलवंत राय मेहता समिति के पंचायती राजव्यवस्था की कमियों को दूर करने के लिये वर्ष **1977** में केंद्र सरकार द्वारा अशोक मेहता की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई। वर्ष **1978** में इस समिति ने अपनी सिफारिश केंद्र सरकार को सौंप दी।

## 14.1 मध्य प्रदेश में स्थानीय स्वशासन
## *(Local Self Government in Madhya Pradesh)*

- म.प्र. में पंचायत अधिनियम सर्वप्रथम **1962** में लागू किया गया। म.प्र. में ज़िला पंचायत चुनाव पहली बार 1971 में हुआ।
- पंचायती राज व्यवस्था को सर्वप्रथम संवैधानिक दर्जा देने की सिफारिश **लक्ष्मीमल सिंघवी** ने वर्ष **1986** में की थी।
- राज्य में लोकायुक्त विधेयक **वर्ष 1981** में पारित किया गया। मध्य प्रदेश के प्रथम लोकायुक्त पी.वी. दीक्षित थे।

इस अधिनियम के अनुसार राज्य में पंचायती राजव्यवस्था के तीन स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं-

**पंचायती राज**

ग्राम पंचायत (23006) | जनपद (क्षेत्र) पंचायत (313) | ज़िला पंचायत (51)

| स्थानीय स्वशासन | |
|---|---|
| **ग्राम पंचायत** | ● एक हजार आबादी वाले गाँव में एक ग्राम पंचायत गठित की जाएगी, जिसमें एक हजार की जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत में कम-से-कम 10 वार्ड बनाए जाएंगे। तथा एक हजार से ज्यादा जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत में अधिक-से-अधिक 20 वार्ड बनाए जाएंगे।<br>● राज्य में ग्राम पंचायतों की संख्या 23006 है। इसका मुखिया, सरपंच व पंच सदस्य प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुने जाते हैं। जबकि उप-सरपंच अप्रत्यक्ष रूप से पंचों द्वारा निर्वाचित होते हैं।<br>● प्रत्येक वार्डों की जनसंख्या लगभग एक सी होगी।<br>● ग्राम पंचायत में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण का लाभ दिया जाता है।<br>● ग्राम पंचायत में महिलाओं को 50% आरक्षण प्राप्त है।<br>● ग्राम पंचायतें अपने गाँव की पेयजल व्यवस्था, सफाई, आँगनबाड़ियों का संचालन, प्रकाश व्यवस्था, ग्रामीण विकास की निगरानी आदि करती हैं। |

अध्याय 15

# मध्य प्रदेश : शिक्षा एवं स्वास्थ्य (Madhya Pradesh : Education & Health)

पिछले एक दशक में राज्य में साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। व्यक्ति के विकास में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण स्थान है। अत: मध्य प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराना है। राज्य गठन (1956) के समय साक्षरता का प्रतिशत 10% था, लेकिन पिछले एक दशक में राज्य की साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार प्रदेश की साक्षरता दर 69.32 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत को कुछ ही कम है। राज्य में साक्षरता दर में वृद्धि हेतु सघन प्रयास किये जा रहे हैं।

**बौद्ध विश्वविद्यालय**

देश का पहला बौद्ध विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश में खोला गया है। 14 अप्रैल को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश का पहला बौद्ध विश्वविद्यालय, विश्व विरासत स्थल सांची के पास खोलने की घोषणा की। इस विश्वविद्यालय को खोलने को लेकर श्रीलंका महाबोधि सोसायटी और भारतीय बौद्ध सोसायटी के बीच समझौता संपन्न हुआ है। इस विश्वविद्यालय का पूरा नाम सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट इंडिक स्टडीज है।

## 15.1 शिक्षा *(Education)*

### प्रारंभिक शिक्षा

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 योजना प्रदेश में 1 अप्रैल, 2010 से प्रभावशाली है। इस योजना के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश में मार्च 2011 को नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार 2011 जारी किये गए हैं। अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप समस्त अपेक्षित कार्यवाहियाँ राज्य शासन ने पूर्ण की है।

प्रारंभिक शिक्षा के मौलिक अधिकार के क्रियान्वयन के लिये बनाया गया नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानों का क्रियान्वयन सर्वशिक्षा अभियान कार्यक्रम के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया है। सर्व शिक्षा अभियान वर्ष 2017–18 के लिये स्वीकृति 5740.95 करोड़ की वार्षिक कार्य योजना स्वीकृत हुई है।

राज्य में शासकीय प्राथमिक शालाएँ 83890 एवं शासकीय माध्यमिक शालाएँ 30341 है।

### माध्यमिक शिक्षा

छात्रों के बौद्धिक विकास के लिये माध्यमिक शिक्षा अत्यावश्यक है। माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रदेश में कुल 7882 हाईस्कूल एवं 9074 हायर सेकेंडरी स्कूल इस प्रकार कुल 16956 शालाएँ संचालित हैं। हाईस्कूलों में 25.78 लाख तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में 13.60 लाख। इस प्रकार कुल 39.38 लाख छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं।

वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 में क्रमश: 100-50 माध्यमिक शाला का हाईस्कूल में एवं 300-100 हाईस्कूल का हायर सेकेंडरी शाला में उन्नयन किया गया है एवं 2015-16 में 100 माध्यमिक से हाईस्कूल एवं 100 हाईस्कूल से हायर सेकेंडरी में उन्नयन किया गया है। प्रदेश में कुल नामांकन एवं शिक्षकों की जानकारी निम्नानुसार है।

### उच्च शिक्षा

**महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय**

मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2011 के तहत प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड अंचल में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की स्थापना छतरपुर में किये जाने की अनुमति प्राप्त कर ली है।

मध्य प्रदेश के विकास में उच्च शिक्षा की अहम भूमिका है। उच्च शिक्षा विभाग ज्ञान और कौशल का ही विकास नहीं करता बल्कि शिक्षित व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने में भी मार्ग प्रशस्त कर समाज में स्तर को ऊपर उठाने एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के अवसर प्रदान करता है। उच्च शिक्षा विभाग को प्रासंगिक बनाए रखने के लिये उसमें समसामयिक चुनौतियों और परिवर्तनों में सामंजस्य स्थापित करने की पहल इस विभाग की कार्य योजना का महत्त्वपूर्ण पहलू हैं।

अध्याय 16

# मध्य प्रदेश : पर्यटन (Madhya Pradesh : Tourism)

प्रदेश में पर्यटन के विस्तार, निजी, निवेशकों को आकर्षित करने, पर्यटन नीति के क्रियान्वयन एवं प्रदेश में समग्र पर्यटन विकास एवं प्रोत्साहन के कार्य के संपादन हेतु माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का गठन दिनांक 22 फरवरी, 2017 को किया गया। बोर्ड के गठन के पूर्व में गतिविधियाँ जो मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के अंतर्गत पर्यटन संवर्धन इकाई, पब्लिकसिटी, योजना एवं साहसिक व जल पर्यटन के अंतर्गत की जा रही थी। जो अब मध्य प्रदेश टूरिज़्म बोर्ड के द्वारा की जा रही है।

## 16.1 मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल *(Tourism Sites of Madhya Pradesh)*

क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है जो पर्यटन की दृष्टि से देश में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। यहाँ चारों ओर बिखरी हुई प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखती है। मध्य प्रदेश में अनेक महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं जिन्हें चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है–

**मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल**

- ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक पर्यटन स्थल
- प्राकृतिक सौंदर्य के पर्यटन स्थल
- वन्य प्राणी पर्यटन स्थल
- धार्मिक महत्त्व के पर्यटन स्थल

### ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक पर्यटन स्थल

इन स्थलों को निम्नलिखित भागों में बाँटा जाता है–

| गुफाएँ | |
|---|---|
| उदयगिरि की गुफाएँ | ● मध्य प्रदेश के विदिशा ज़िले में स्थित उदयगिरि में **20 गुफाएँ** हैं। ये गुफाएँ **चौथी-पाँचवीं शताब्दी** की हैं। गुफा नं. **1** और **20 जैन धर्म** से संबंधित हैं, जबकि **गुफा नं. 5 वराह अवतार** से संबंधित है।<br>● ये गुप्त वंश की अद्भुत निर्माण कला के उत्तम उदाहरण हैं। |
| भर्तृहरि गुफाएँ | ● ये गुफाएँ **उज्जैन** में स्थित हैं। इन गुफाओं की **कुल संख्या 9** हैं, जिनमें से कुछ खंडित हो चुकी हैं।<br>● **परमार वंश** के राजाओं ने इन गुफाओं का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा **भर्तृहरि की स्मृति में** कराया था।<br>● ये गुफाएँ उज्जैन से लगभग 12 किलोमीटर दूर **कलियादेह महल** के पास स्थित हैं।<br>● इन गुफाओं में निर्मित सभी चित्र **रंगीन** हैं, जो उज्जैन नगर की सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक हैं। |
| मृगेंद्रनाथ गुफा | ● मध्य प्रदेश के पुरातत्त्व विभाग द्वारा इस गुफा की खोज **वर्ष 2009** में की गई।<br>● यह गुफा **रायसेन** ज़िले के **पाटनी गाँव** के समीप स्थित है।<br>● इसकी लंबाई लगभग **एक किलोमीटर** है, जो राज्य की भीमबेटका गुफाओं से समानता रखती है। |
| बाघ की गुफाएँ | ● ये गुफाएँ **धार** ज़िले के समीप बाघनी नदी के किनारे बाघ नामक स्थल पर स्थित हैं।<br>● इन गुफाओं का आकलन अंजता की गुफाओं की कलापूर्ण भित्ति-चित्रों से की जाती है।<br>● इन चित्रों का निर्माण **चौथी से सातवीं शताब्दी** के मध्य किया गया है। इन्हें **बौद्ध चित्रों के प्राण** भी कहते हैं।<br>● इनमें कुल **9 गुफाएँ** थीं, जिनमें 4 नष्ट हो गइ हैं और 5 शेष बची हैं।<br>● गुफा नं. 2 में 5 बौद्ध मूर्तियाँ पाई गई हैं, जिन्हें स्थानीय लोग पाँच पांडव मानते हैं।<br>● गुफा नं. 4 को **रंगमहल** कहा जाता है। |

अध्याय 17

# मध्य प्रदेश : कला एवं संस्कृति (Madhya Pradesh : Art and Culture)

मध्य प्रदेश की कला एवं संस्कृति अत्यधिक प्राचीन है, संस्कृति के अंतर्गत जीवन विधियों का समावेश होता है। कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु शासन द्वारा सांस्कृतिक नीति निर्धारित की गई है। संस्कृति सलाहकार मण्डल द्वारा मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक नीति के लिये निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गए हैं-

- मध्य प्रदेश में कला के क्षेत्र में स्वतंत्रता और सम्मान के साथ विकास के अवसरों व साधनों में वृद्धि करना।
- कला संबंधी संस्थाओं का पुनर्गठन और विस्तार करना।
- मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण करना।
- आम नगारिकों के लिये विभिन्न कलाओं को अधिक से अधिक प्रोत्साहन करना।

**कला एवं संस्कृति**

- लोकगीत
- लोकनृत्य
- लोकनाट्य
- लोक चित्रकला
- शिल्पकला व हस्तकला
- पर्व उत्सव
- मेले

## 17.1 लोकगीत *(Folk Song)*

लोकगीत लोक के गीत हैं जिन्हें कोई एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा लोक समाज अपनाता है। सामान्यत: लोक में प्रचलित, लोक द्वारा रचित एवं लोक के लिये लिखे गए गीतों को लोकगीत कहा जा सकता है।

**निमाड़ क्षेत्र:** निमाड़ क्षेत्र में जीवन का कोई भी अवसर ऐसा नहीं होता, जब कोई गीत न गाया जाता हो जन्म, विवाह और मृत्यु आदि सोलहों संस्कारों के अवसरों पर अलग-अलग लोकधुनों में लोकगीत गाए जाते हैं। संस्कार गीत प्राय: महिलाएँ गाती हैं। पर्व-त्यौहार या अनुष्ठान में गीतों की प्रकृति स्त्री और पुरुष परक दोनों होती हैं।

| लोकगीत | |
|---|---|
| **निरगुणिया गायन शैली** | • इस गायन का क्षेत्र सम्पूर्ण निमाड़ एवं मालवा अंचल में मिलता है।<br>• यह गायन साधु एवं भिक्षुकों द्वारा किसी भी समय गाया जाता है।<br>• इस गायन में कबीर, सूर, तुलसीदास, मीरा, रैदास, दादू, ब्रह्मानंद आदि कवियों के भजन काफी लोकप्रिय है।<br>• इस गायन में आम तौर पर इकतारा और खरताल (लकड़ी से जुड़े छोटे धातु पटल वाला एक संगीत उपकरण का उपयोग होता है।) निरगुणिया गायन को नारदीय भजन भी कहा जाता है। |
| **कलगी तुर्रा** | • यह एक प्राचीन लोकगायिकी है। यह सम्पूर्ण निमाड़, अंचल क्षेत्र में आज भी प्रचलन में है।<br>• यह कलगी दल शक्ति द्वारा शिव की आराधना में, चांग की थाप पर रात के समय गाया जाता है।<br>• इस लोकगीत में महाभारत के पौराणिक आख्यानों, आशु कविता से लेकर वर्तमान प्रसंगों का गायन सम्मिलित है। |
| **मसाण्या (कायाखो) गीत** | • यह गीत निमाड़ अंचल क्षेत्र में गाया जाता है।<br>• किसी व्यक्ति की मृत्यु पर उसकी आत्मा की अमरता की लोमान्यता के चलते इस गीत का गायन होता है, इसलिये इसे मसाण्या या कायाखो गीत कहते हैं। |

अध्याय 18

# मध्य प्रदेश : जनजातियाँ एवं उनकी संस्कृति (Madhya Pradesh : Tribes and their Culture)

जनजाति एक निश्चित क्षेत्र में निवास करते हैं, एक विशिष्ट प्रकार की भाषा या बोली बोलते हैं, आदिकालीन धर्म, रीति और परंपरा को मानते हैं तथा आदिकालीन सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था में जीवनयापन करते हैं। **'दि शेड्यूल्ड एरियाज एंड ट्राइब्स कमीशन'** ने जनजातियों को चार वर्गों में बाँटा है। मध्य प्रदेश में सात विशेष पिछड़ी जनजातियाँ हैं। इनके रहन-सहन, खान-पान, आर्थिक स्थिति, शिक्षा का प्रतिशत जनजातियों के प्रादेशिक औसत से कम है। इस कारण भारत सरकार ने इन्हें 'विशेष पिछड़ी जनजातियों' के वर्ग में रखा है।

- मध्य प्रदेश जनजातियों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण राज्य है।
- राज्य में जनजाति की जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत अलीराजपुर ज़िले में है। जबकि सबसे कम जनजाति प्रतिशत भिंड ज़िले में है। यहाँ मुख्य रूप से गोंड, भील, बैगा, सहरिया, भारिया, कोरकू, बंजारा, अगरिया, कोल, पनिका, पारधी इत्यादि जनजातियाँ निवास करती हैं।
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 366(25)** के अनुसार जनजाति से तात्पर्य उन जनजातीय समुदायों अथवा जनजातीय समुदायों के अंशों या समूहों से है जो संविधान के **अनुच्छेद 342** के तहत अनुसूचित जनजातियों के रूप में माने गए हैं।
- संसद किसी भी जनजातीय समुदाय अथवा उसके अंशों को अनुसूचित जनजातियों की सूची से निकाल सकती है या उसमें जोड़ सकती है।

**प्रमुख आदिवासी देवता**

- **भील**- शीतला, अंबिका, पाठर, बौराह (माता की पूजा)
- **बैगा**- बूढ़ा देव, धरतीमाता, घनश्याम, ठाकुर देव, नारायण देव, बाघ देव, भीम सेन, पनिहरी, रातामाई, लोहा सुर
- **गोंड**- नारायण देव, गराहा, मुर्ठकी, दुल्हा देव, बरिया देव, होलेराय

## भील

यह मध्य प्रदेश की दूसरी बड़ी जनजाति है। भील मध्य प्रदेश की प्राचीनतम जनजातियों में से एक मानी जाती है। यह मुख्य रूप से मालवा के पठार एवं निमाड़ क्षेत्र में पाई जाती है। भील शब्द की उत्पत्ति तमिल भाषा के 'विल्लुवर' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है- **धनुष**। चूँकि भील लोग तीर-धनुष का उपयोग करते हैं, इसलिये इन्हें भील कहा जाता है। यह जनजाति मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान तथा गुजरात में पाई जाती हैं। ये जनजाति मुख्यत: भीली भाषा बोलती है जो गुजराती, राजस्थानी तथा मराठी का मिश्रित रूप है।

**उप-जातियाँ**- बरेला, रथियास, भिलाला, पटलिया, बैगास
**पर्व**- भगोरिया, गल, जातरा, चलावणी
**नृत्य**- डोहा, भगोरिया, घूमर, बड़वा, गौरी

- भील जनजाति विशेष रूप से गोदना प्रिय होती है।
- भीलों के मकानों को **'कू'** कहा जाता है। इनमें खिड़कियाँ नहीं होती हैं।
- ये लोग पहाड़ी वनों को जलाकर कृषि करते हैं। इनके द्वारा की जाने वाली झूम प्रकार की कृषि **'चिमाता'** कहलाती है।

**सामाजिक विशेषताएँ**- भील जनजाति का समाज पितृ सत्तात्मक है। इनमें संयुक्त परिवार प्रथा पाई जाती है। भीलों में गंधर्व विवाह, नियमित विवाह, हरण विवाह आदि प्रचलित है। विवाह में कन्या मूल्य देने देने का प्रचलन है।

**आर्थिक विशेषताएँ**- भील प्राय: किसान होते हैं। कुछ भील लकड़हारे एवं श्रमिकों का कार्य भी करते हैं। आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर होने के कारण कुछ भील डकैती करके भी निवर्हन करते हैं। ये पहाड़ी भागों के वनों को काटकर एवं जलाकर कृषि करते हैं।

अध्याय 19

# मध्य प्रदेश : पंचवर्षीय योजनाएँ एवं बजट (Madhya Pradesh : Five Year Plans and Budget)

मध्य प्रदेश में आर्थिक नियोजन का विधिवत् प्रारंभ तीसरी पंचवर्षीय योजना से माना जाता है। ऐसा इसलिये क्योंकि मध्य प्रदेश राज्य की स्थापना 1 नवंबर, 1956 को राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश के आधार पर मध्य भारत, महाकौशल, भोपाल राज्य और विंध्य प्रदेश क्षेत्रों को मिलाकर की गई। अत: प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) के समय तक मध्य प्रदेश राज्य का जन्म नहीं हुआ था। मध्य प्रदेश का जन्म दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) के दौरान हुआ, लेकिन तब तक राज्य के तत्कालीन क्षेत्र अपनी-अपनी योजनाएँ, योजना आयोग को दे चुके और राज्य की स्थापना के बाद तीसरी पंचवर्षीय योजना से इन योजनाओं को एकीकृत किया गया। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भारत शासन के योजना आयोग की अनुशंसा पर 24 अक्टूबर, 1972 को एक अधिसूचना जारी करके मध्य प्रदेश योजना मंडल का गठन किया गया। इस मंडल में राज्य का मुख्यमंत्री इसका अध्यक्ष होता है एवं योजना मंत्री इसका उपाध्यक्ष होता है। इसके अतिरिक्त इस आयोग में 11 अंशकालिक सदस्य पदस्थ होते हैं। सितंबर 2007 से मध्यप्रदेश योजना मंडल को मध्य प्रदेश योजना आयोग कहा जाने लगा है। इस आयोग के निम्नलिखित कार्य हैं-

- राज्य योजना की प्राथमिकताएँ निश्चित करना।
- राज्य के संसाधनों का आकलन करना और उसके लिये महत्त्वपूर्ण योजना बनाना।
- जिला स्तर के लिये उपयोगी योजनाओं के निर्माण में सहयोग देना।
- राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास की समीक्षा करना और उनकी कमियों को दूर करने के लिये प्रभावी योजना बनाना।

## 19.1 पंचवर्षीय योजनाएँ *(Five Year Plans)*

- मध्य प्रदेश की पंचवर्षीय योजनाएँ निम्नलिखित हैं-

### प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951–56)

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था के कृषि आधार को सुदृढ़ बनाना था।
- मध्य प्रदेश जो कि अभी अपने वर्तमान स्वरूप में नहीं था, इस समय वह चार क्षेत्रों-मध्य भारत, महाकौशल, भोपाल राज्य और विंध्य प्रदेश में बँटा हुआ था। अत: इस पंचवर्षीय योजना में इन चारों क्षेत्रों की विकास प्राथमिकता के आधार पर अलग-अलग योजनाएँ बनाई गई।
- कुल योजना परिव्यय का 30.97 प्रतिशत भाग में कृषि एवं सामुदायिक विकास के लिये निर्धारित किया गया था। इसके बाद सिंचाई एवं विद्युत के लिये 22.57 प्रतिशत राशि निर्धारित की गई।
- इस योजना के अंतर्गत 7 मार्च 1954 को गांधी सागर बांध का शिलान्यास भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने किया था।

### द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956–61)

- इस योजना अवधि में ही मध्य प्रदेश राज्य का गठन किया गया।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि के साथ-साथ उद्योगों का विकास करना था।
- इस योजना अवधि के अंतर्गत 190.90 करोड़ रुपए व्यय का लक्ष्य रखा गया था परंतु 5 वर्ष की पूरी अवधि में सिर्फ 148.92 करोड़ रुपए ही व्यय किया गया, जो लगभग कुल व्यय का 78 प्रतिशत था।

### तृतीय पंचवर्षीय योजना (1961–66)

- मध्य प्रदेश राज्य का गठन होने के बाद तृतीय पंचवर्षीय योजना राज्य की प्रथम योजना थी।
- इस योजना का निर्धारण राज्य के साधनों तथा आवश्यकताओं एवं क्षमताओं को ध्यान में रखकर की गई थी।
- इस योजना में मुख्यत: सिंचाई साधनों को अत्यधिक महत्त्व दिया गया इसके पश्चात् कृषि एवं शिक्षा पर बल दिया गया।

अध्याय 20

# मध्य प्रदेश : पुरस्कार एवं सम्मान (Madhya Pradesh : Awards and Honours)

मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग ने कला के विकास, साहित्य के क्षेत्र में दीर्घ साधना, उत्कृष्टता तथा श्रेष्ठ उपलब्धि हासिल करने वाली विभूतियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित करने व इनमें राष्ट्रीय मापदण्ड विकसित करने के लिये राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय सम्मानों की घोषणा की है, जो प्रत्येक वर्ष प्रदान किये जाते हैं।

## 20.1 राष्ट्रीय सम्मान *(National Honours)*

| अखिल भारतीय पुरस्कार/सम्मान | |
|---|---|
| **राष्ट्रीय कबीर सम्मान** | ● भारतीय काव्य के क्षेत्र में काव्य प्रतिभा का सम्मान करने के लिये **वर्ष 1986–87** में यह सम्मान स्थापित किया गया।<br>● महान संत व कवि कबीर ने सदियों पहले कविता का पुनराविष्कार किया था और उसे नई निर्भीकता दी थी।<br>● इस सम्मान के तहत **तीन लाख** रुपए की राशि और सम्मान पट्टिका भेंट की जाती है।<br>● अब तक कन्नड़, बांग्ला, पंजाबी, हिंदी, मराठी और गुजराती भाषा के कवियों को यह सम्मान प्रदान किया गया है। प्रथम सम्मान कवि **गोपाल कृष्ण अडिग को** (1986–87) दिया गया।<br>● वर्ष 2016-17 में श्री.के.शिवा रेड्डी, हैदराबाद को दिया गया है। |
| **राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान** | ● हिंदी साहित्य की रचनात्मक संरचना के क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिये वर्ष 1987–88 में इस सम्मान की स्थापना की गई।<br>● यह सम्मान राष्ट्रकवि श्री मैथिलीशरण गुप्त की स्मृति में रखा गया है।<br>● इस सम्मान से सर्वप्रथम **शमशेर बहादुर सिंह** को (1987-88) नवाज़ा गया।<br>● वर्ष 2016-17 में श्री कमल किशोर गोयनका को दिया गया।<br>● इस सम्मान के अंतर्गत 2 लाख रुपए की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका भेंट की जाती है। |
| **राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान** | ● साहित्य एवं लेखन से संबंधित लोगों को इस सम्मान से नवाजा जाता है।<br>● निबंध, संस्मरण, कोष, डायरी, पत्र और व्यंग लेखन के लिये यह सम्मान दिया जाता है।<br>● इस सम्मान का उद्देश्य साहित्य की उपर्युक्त विधाओं की श्रेष्ठतम प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है।<br>● **श्री हरिशंकर परसाई, (1992–93)** में यह सम्मान प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्ति थे।<br>● यह सम्मान वर्ष 2016-17 में श्री नर्मदा प्रसाद उपाध्याय को प्रदान किया गया।<br>● इस सम्मान के अंतर्गत 2 लाख रुपए तथा प्रशस्ति पट्टिका भेंट की जाती है। |
| **देवी अहिल्याबाई सम्मान** | ● वर्ष 1996–97 में स्थापित देवी अहिल्याबाई सम्मान, आदिवासी, लोक कला और पारम्परिक कला में उत्कृष्टता के लिये केवल महिला कलाकारों को प्रदान किया जाता है।<br>● सर्वप्रथम यह सम्मान 1996–97 में **तीजन बाई** को दिया गया था।<br>● यह सम्मान वर्ष 2016-17 में श्री मती बसंती देवी बिष्ट (लोकगायिका) को प्रदान किया गया।<br>● इस सम्मान के अंतर्गत 2 लाख रुपए तथा प्रशस्ति पट्टिका भेंट की जाती है। |
| **कालिदास सम्मान** | ● इस सम्मान को वर्ष 1980–81 में स्थापित किया गया। यह सम्मान शास्त्रीय संगीत, नृत्य-नाटक रंगकर्म और रूपंकर कला के क्षेत्र के लिये प्रदान किया जाता है।<br>● 1980–81 शास्त्रीय संगीत में पहली बार यह सम्मान पंडित **सेमनगुड़ी श्री निवास अय्यर** को दिया गया है।<br>● राष्ट्रीय कालिदास सम्मान (रंगकर्म) से सम्मानित प्रथम व्यक्ति श्री शंभू मित्र थे। वर्ष 2017-18 में श्री रामगोपाल बजाज को यह सम्मान प्रदान किया गया है।<br>● इस सम्मान के तहत 2 लाख रुपए और प्रशस्ति पट्टिका का प्रदान की जाती है। |

अध्याय
21

# मध्य प्रदेश : संचालित योजनाएँ
# (Madhya Pradesh : Directed Schemes)

प्रत्येक सरकार अपने राज्य के नागरिकों की खुशहाली और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध होती है। मध्य प्रदेश शासन ने इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है जो राज्य के नागरिकों के कल्याण की दिशा में सकारात्मक परिणाम दे रही है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ निम्नलिखित हैं:-

**मुख्यमंत्री कौशल संवर्द्धन योजना :** मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना है जिसके अंतर्गत रोजगारन्मुखी राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप युवाओं हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन करना है। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही कौशल संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रमाणीकरण, एकरूपता लाते हुए प्रशिक्षण में गुणवत्ता एवं रोजगार अवसर में वृद्धि लाना हैं। एवं मांग के अनुसार ऐसे प्रशिक्षण संचालित करना जिसकी पूर्ति परंपरागत आई.टी.आई. पाठ्यक्रमों से करना नहीं है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में कम अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन से गुणवत्ता एवं क्षमता में वृद्धि संभव है।

इसमें न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पूर्ण होने की स्थिति में मेरिट के आधार पर ऑनलाइन प्रणाली से प्रवेश दिया जाएगा। प्रशिक्षण की न्यूनतम अवधि 15 दिवस से लेकर अधिकतम 9 माह तक होगी। कौशल संवर्द्धन योजना के तहत प्रशिक्षणार्थियों का नियोजन इस प्रकार किया जाएगा, जिसमें न्यूनतम 70 प्रतिशत को वैतनिक अथवा स्वरोज़गार मिल सके। इस योजना के अंतर्गत 2017–18 से प्रति वर्ष 2 लाख 50 हज़ार युवाओं को स्वरोज़गार के लिये प्रशिक्षित किया जाएगा।

**मुख्यमंत्री कौशल्या योजना :** महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये यह योजना चलाई गई है। इस योजना के अंतर्गत 2017-18 प्रति वर्ष 2 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि सामस्थ तथा 15 दिवसे से लेकर 9 माह तक होगी।

इस योजना के अंतर्गत उन महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जिन्होंने नियमित औपचारिक शिक्षा व्यवस्था को छोड़ दिया है अथवा जो अपने कौशल विकसित कर स्वरोज़गार करने की इच्छुक हैं।

इस योजना में बाल–विवाह तथा हिंसा से पीड़ित महिलाओं को भी सम्मिलित किया जाएगा।

इस योजना की मॉनीटरिंग मध्य प्रदेश स्किल डेवलपमेंट करेगा।

**मुख्यमंत्री निकाह योजना :** मध्य प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री निकाह योजना वर्ष 2012–13 से प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत निराश्रित गरीब परिवारों की मुस्लिम कन्याओं/विधवा/परित्यक्ताओं के सामूहिक निकाह कराए जाने का प्रावधान है। इस योजना के तहत वर–वधू को 25000 रुपए की धनराशि दी जाती है। इसमें कन्या के लिये 18 वर्ष तथा पुरुष के लिये 21 वर्ष की आयु सीमा पूर्ण करने की अनिवार्यता है। इस योजना के अंतर्गत अधिकतम आयु सीमा का प्रावधान नहीं रखा गया है।

**मुख्यमंत्री कन्यादान योजना :** यह योजना अप्रैल 2006 से शुरू की गई।। राज्य शासन द्वारा गरीब, जरूरत–मंद, निराश्रित/निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्या/विधवा/परित्यक्ता के सहायता के तौर पर 25000 रुपए की सहायता की जाती है।

**प्रतिभा किरण योजना :** इस योजना का प्रारंभ वर्ष 2008-09 से किया गया था। इस योजना के तहत प्रदेश के शहरी क्षेत्र में गरीबी रेखा के नीचे जीवन–यापन करने वाले परिवारों के मेधावी छात्रों में शिक्षा के स्तर वृद्धि के लिये प्रतिभा किरण योजना शुरू की गई है। यह लाभ उन छात्राओं को मिलता है, जिन्होंने कक्षा 12 में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हो तथा उसी सत्र में महाविद्यालय में प्रवेश लिया हो। इस योजना के अंतर्गत चयनित छात्राओं को परंपरागत उपाधि पाठ्यक्रम हेतु राशि 300 प्रतिमाह (10 माह तक) तथा चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रम हेतु धनराशि 750 प्रतिमाह (10 माह तक) दिये जाएंगे। इस योजना से लाभान्वितों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

**गाँव की बेटी योजना :** यह योजना वर्ष, 2005 में शुरू की गई। राज्य सरकार ने इस योजना के द्वारा ग्रामीण लड़कियों को उच्च स्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। इस योजना के अंतर्गत नवोदय विद्यालय से 12वीं कक्षा में प्रथम

अध्याय
22

# मध्य प्रदेश : प्रसिद्ध व्यक्तित्व
# (Madhya Pradesh : Famous Personalities)

**केशवदासः** केशवदास का जन्म 1555 ई. में ओरछा नगर में हुआ था। केशव दास ने कई ग्रंथों की रचना की थी जिनमें केवल 9 ग्रंथों ही ज्ञात है। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- रसिकप्रिया, रामचन्द्रिका, विज्ञान गीता, कविप्रिया, रतन बावनी, जहाँगीर जस-चन्द्रिका, वीरसिंह देव चरित, राम अलंकृत मंजरी एवं नख-शिख वर्णन।

**पद्माकरः** इनका जन्म 1753 ई. में मध्य प्रदेश के सागर नामक स्थान में हुआ था। इनका वास्तविक नाम प्यारेलाल था। पद्माकर तैलंग ब्राह्मण थे। इनके पिता का नाम पं. मोहनलाल भट्ट था। इनकी प्रमुख कृतियाँ प्रबोध चन्द्रोदय, जगत विनोद, हिम्मत बहादुर विरुदावली आदि हैं।

**माखनलाल चतुर्वेदीः** इनका जन्म 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद जिले के बाबई नामक गाँव में हुआ था। मध्य प्रदेश शासन द्वारा बाबई नगर का नाम माखन नगर कर दिया गया है। 1919 ई. में इन्होंने कर्मवीर नामक पत्र का प्रकाशन किया तत्पश्चात् वे राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ गए। हिन्दी साहित्य में अपने अद्वितीय योगदान के कारण भारत सरकार द्वारा इन्हें अनेकों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इन्हें सरकार द्वारा पद्म-भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इनका देहांत 1968 में हुआ। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- हिमतरंगिनी, हिम-किरीटनी, युगचरण (युगचारण), मरण ज्वार, समर्पण, कृष्णार्जुन युद्ध इत्यादि।

**गजानन माधव मुक्तिबोधः** इनका जन्म 13 नवम्बर, 1917 को मध्य प्रदेश के श्योपुर नामक स्थान पर कुलकर्णी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। 1938 ई. में होलकर कॉलेज इन्दौर से बी.ए. (स्नातक) करने के बाद वे वाराणसी से प्रकाशित होने वाले साहित्यिक पत्र 'हंस' के सम्पादकीय विभाग में काम करने लगे। इनका देहांत 1964 में हुआ। इनकी प्रमुख कृतियाँ चाँद का मुँह टेढ़ा है, काठ का सपना, भूरी-भूरी खाक धूल है।

**बालकृष्ण शर्मा 'नवीन':** इनका जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर ज़िले के भयाना नामक ग्राम में 8 दिसंबर, 1897 ई. को एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। महात्मा गाँधी के सत्याग्रह आंदोलन के आह्वान पर इन्होंने बी.ए. फाइनल की पढ़ाई छोड़ राजनीति में प्रवेश किया। इनकी मृत्यु 1960 में हुई। इनकी प्रमुख कृति 'उर्मिला' है।

**भवानी प्रसाद मिश्रः** इनका जन्म 23 मार्च, 1914 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद में ब्राह्मण परिवार में हुआ। मिश्र जी एक प्रयोगवादी कवि थे इन्होंने विशेष रूप से कविताएँ लिखीं। मिश्र जी ने गाँधी पंचशप्ती नाम से एक महाकाव्य की भी रचना की। इनका देहांत 1985 ई. में हुआ।

**हरिशंकर परसाईः** इनका जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद ज़िले के जमानी ग्राम में 22 अगस्त, 1924 को हुआ। परसाई जी ने दो दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचना की है जिनमें व्यंग्य निबन्ध, व्यंग्य कथाएँ, उपन्यास, संस्मरण, डायरी यात्रा इत्यादि प्रमुख हैं। इनकी प्रमुख पुस्तकें हैं- जैसे उनके दिन फिरे, हँसते हैं रोते हैं, शिकायत मुझे भी है, रानी नागफनी की कहानी इत्यादि।

**शरद जोशीः** इनका जन्म 21 मई, 1931 को मध्य प्रदेश उज्जैन में हुआ। शुरुआत में इन्होंने अपना कैरियर पत्रकारिता से प्रारंभ किया एवं बाद में इन्होंने कई पुस्तकों की रचना भी की। वे संघर्षशील और जुझारू लेखक के रूप में प्रसिद्ध थे। भारत सरकार ने इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। इनका देहावसान 1991 ई. में हुआ।

**मुल्ला रमूजीः** इनका जन्म 21 मई, 1896 को भोपाल में हुआ। 1921 में मुल्ला रमूजी की पहली किताब **'गुलाबी उर्दू'** प्रकाशित हुई। उर्दू साहित्य जगत में अपनी नई शैली के कारण उन्होंने सभी को आकर्षित किया। इनका देहांत 1952 को हुआ। भोपाल उर्दू अकादमी ने इनके नाम पर ही अपने भवन का नामकरण किया है।

**शिवमंगल सिंह सुमनः** इनका जन्म 5 अगस्त, 1915 को उन्नाव ज़िले (उत्तर प्रदेश) में हुआ। हिन्दी के इस प्रख्यात कवि को 1987 का सारस्वत सम्मान प्रदान किया गया। ये विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे हैं। इन्हें पद्मश्री, सोवियत भूमि पुरस्कार, देव पुरस्कार, भारत-भारती पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में वर्ष 2002 में उनका निधन हो गया।

अध्याय 23

# मध्य प्रदेश : समसामयिकी (Madhya Pradesh : Current Affairs)

- मध्य प्रदेश सरकार ने अगस्त 2017 को मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना का शुभारंभ किया। यह योजना मध्य प्रदेश के मूल निवासी मेधावी विद्यार्थियों के लिये है, जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 6 लाख रूपये तक है।
- आदि शंकारार्चाय को मध्य प्रदेश के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।
- हबीबगंज (मध्य प्रदेश) भारत का प्रथम निजी रेलवे स्टेशन बना।
- मध्य प्रदेश के किसान फूलों एवं संतरे की खेती करने में इज़राइल से सहायता प्राप्त होगा।
- मध्य प्रदेश सरकार ने 2017 में गरीबों के लिये दीनदयाल रसोई योजना प्रारंभ किया।
- मध्य प्रदेश में कुपोषित बच्चों की पहचान के लिये दस्तक अभियान चलाया जा रहा है।
- 1 जनवरी 2018 को वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन भोपाल से शुरू होगा।
- तीन दिवसीय शैव महोत्वसव का अयोजन श्री महाकाल की नगरी उज्जैन में किया गया।
- विश्व का सबसे बड़ा सोलर प्लांट गुढ़ तहसील के ग्राम बदवार ज़िला रीवा में स्थापित किया गया।
- मध्य प्रदेश में हैप्पीनेस इंडेक्स तैयार करने के लिये आईआईटी खड़गपुर से समझौता किया गया।
- जनवरी में मध्य प्रदेश ने 30 प्रकार की छात्रवृत्ति वितरण के लिये मिशन वन क्लिक योजना प्रारंभ किया।
- मध्य प्रदेश के भारत भवन मे बुरहानपुर उत्सव 20 नवंबर 2017 से 22 नवंबर 2017 तक मनाया गया। इस उत्सव में बंजारा नृत्य की प्रस्तुति हुई।
- मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन प्रशिक्षण योजना में अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रति माह 1000 रूपये छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- मध्य प्रदेश राज्य 1 नवंबर 2017 को 62वाँ स्थापना दिवस मनाया।
- राष्ट्रीय कालिदास अलंकरण सम्मान 'रंग कर्म' के लिये श्री रामगोपाल बजाज को प्रदान किया गया।
- 36 वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य को 3 पदक हासिल हुए।
- मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता वानखेड़े जी है।
- 2017 में 44वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और गणित की प्रदर्शनी का उद्घाटन भोपाल में किया गया।
- मध्य प्रदेश शासन के प्रतिष्ठित लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान वर्ष 2015 का सुप्रसिद्ध गायक, श्री उदित नारायण को प्रदान किया गया एवं 2016 का, प्रसिद्ध संगीतकार श्री अनुमलिक को प्रदान किया गया।
- मध्य प्रदेश राज्य में राष्ट्रीय एकता दौड़ रन फॉर युनिटी' का आयोजन भोपाल में किया गया।
- नर्मदा नदी के पर्यावरण के संरक्षण के लिये मध्य प्रदेश में विशाल वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। आधिकारिक स्रोतों के अनुसार 6 करोड़ से अधिक पौधे नर्मदा नदी बेसिन के 24 ज़िलों में लगाए गए। यह अभियान 'गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड' में सम्मिलित किया गया।
- मध्य प्रदेश सरकार ने 18 हज़ार 360 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र की 4 सिंचाई परियोजनाओं को अनुमति प्रदान की है। इन योजनाओं में सम्मिलित हैं- (i) जबलपुर की छीतखुदरी मध्यम सिंचाई परियोजना (ii) रतलाम की कोटेश्वर (इमलीपाडा) लघु सिंचाई परियोजना (iii) सागर की कैथ मध्यम सिंचाई परियोजना (iv) बुरहानपुर की भावसा मध्यम सिंचाई परियोजना।
- दिव्यागों के लिये नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर ग्वालियर में स्थापित करने की घोषणा की गई है।
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा यह घोषणा की गई है कि दिव्यागों के लिये अब ज़िला स्तरीय के स्थान पर, राष्ट्रीय स्तर का पहचान पत्र जारी किया जाएगा।

अध्याय
24

# मध्य प्रदेश : विविध
# (Madhya Pradesh : Miscellaneous)

## मध्य प्रदेश के उपनाम

**सोया प्रदेश** - देश में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादन के कारण।

**लघु भारत** - विभिन्न संस्कृतियों के सम्मिश्रण के कारण।

**हृदय प्रदेश** - भारत के मध्य भाग में अवस्थित होने के कारण।

## मध्य प्रदेश के विभिन्न विभागों के पूरे नाम

**एम.पी.एफ.सी.** - मध्य प्रदेश फाइनेंस कॉर्पोरेशन

**पी.आई.सी.एल.** - प्रॉवीडेण्ट इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड (भविष्य निधि निवेश कम्पनी, भोपाल)

**एम.पी.एस.आई.डी.सी.** - मध्य प्रदेश स्टेट इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (म.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड)

**सी.ई.डी.** - सेन्टर फॉर इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेन्ट (उद्यमिता विकास केन्द्र)

**एस.एम.सी.एल.** - स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (राज्य खनन निगम लिमिटेड)

## म.प्र. बाल अधिकार संरक्षण आयोग

बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 के अंतर्गत मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन 12 सितम्बर, 2008 को किया गया, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु वालों को बच्चों की परिभाषा में रखा गया है। म.प्र. बाल अधिकार संरक्षण आयोग में एक अध्यक्ष व 6 सदस्य (जिसमें 2 महिलाएँ होंगी) होते हैं। इसका मुख्यालय भोपाल में स्थित है। वर्तमान में इस आयोग के अध्यक्ष **डॉ. राघवेन्द्र शर्मा** हैं।

## मर्यादा अभियान (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्य प्रदेश)

ग्रामों में स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। स्वच्छ वातावरण के साथ निवासियों की मर्यादा, स्वास्थ्य एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए किसी भी सभ्य समाज में खुले में शौच की स्थिति को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस दिशा में मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में महिलाओं के सम्मान के लिये खुले में शौच से मुक्ति हेतु **"मर्यादा अभियान"** चलाया जा रहा है। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा **"निर्मल भारत अभियान"** चलाया जा रहा है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के रहन-सहन को गुणवत्तापरक बनाए जाने हेतु आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

### उद्देश्य

- ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण एवं उनके आत्म-सम्मान को बढ़ावा देना।
- सभी घरों में व्यक्तिगत शौचालयों में सुचारु रूप से पानी की आपूर्ति कराना।
- सभी के लिये स्वच्छता सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- 'मर्यादा' अभियान में जन भागीदारी बढ़ाना एवं स्वच्छता सुविधाओं की योजना बनाना।
- **शालाओं** में स्वच्छता सुविधा प्रदान कर लड़कियों के **शाला** छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करना।
- अस्वच्छ आदतों एवं अस्वस्थ के अंतर्गत वातावरण के कारण होने वाली बीमारियों को कम करना।

# डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।


**Website : www.drishtiIAS.com**
**E-mail : online@groupdrishti.com**

DrishtiIAS
YouTube Drishti IAS
drishtiias
drishtithevisionfoundation

**641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009**
**Phones : 011-47532596, +91-8130392354, 813039235456**